दैनिक

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

आरएनआई क्र.MPHIN/2012/40924

क्षितिज ✌ किरण

प्रेरणापुंज- विचित्र कुमार सिन्हा -- ब्यूरो प्रमुख भोपाल- विलक्षण सक्सेना

जबलपुर, होशंगाबाद एवं सीहोर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र निर्भीक समाचार-पत्र

प्रधान सम्पादक-कृष्णकान्त सक्सेना वर्ष-15, अंक -150 जबलपुर, गुरुवार 09 जुलाई 2026 कीमत-1 रूपया पृष्ठ-8 संपादक अरुण श्रीवास्तव

Private खातों की जांच के लिए High-Level Probe के आदेश

एमपी- बगलामुखी मंदिर के दान में घोटाला?

भोपाल -आरएनएस- देश भर से भक्तों को आकर्षित करने वाले इस मंदिर में दान और चढ़ावे के प्रबंधन में वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों के बाद ज़िला प्रशासन ने उच्च-स्तरीय जाँच के आदेश दिए हैं। इस मामले की जाँच के लिए तीन सदस्यों की एक समिति बनाई गई है और अधिकारियों को सात दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है।

अयोध्या के राम मंदिर में दान को लेकर हुए हालिया विवाद के बाद, मध्य प्रदेश के आगर मालवा ज़िले में नलखेड़ा के पास मशहूर माँ बगलामुखी मंदिर में भी एक नया विवाद सामने आया है। देश भर से भक्तों को आकर्षित करने वाले इस मंदिर में दान और चढ़ावे के प्रबंधन में वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों के बाद ज़िला प्रशासन ने उच्च-स्तरीय जाँच के आदेश दिए हैं। इस मामले की जाँच के लिए तीन सदस्यों की एक समिति बनाई गई है और अधिकारियों को सात दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है। पूजास्थल आगर मालवा की कलेक्टर प्रीति यादव के आदेश के अनुसार, प्रशासन को शिकायतें मिली थीं कि मंदिर परिसर में काम करने वाली एक गैर-सरकारी समिति, सरकार द्वारा अधिकृत मंदिर प्रबंधन समिति से अलग नकद दान के साथ-साथ सोने-चांदी का चढ़ावा भी इकट्ठा कर रही थी। शिकायतों में यह भी आरोप लगाया गया था कि भक्तों के दान के लेन-देन के लिए निजी बैंक खातों का इस्तेमाल किया जा रहा था और मंदिर के फंड के प्रबंधन में संभावित वित्तीय गड़बड़ियों की ओर इशारा किया गया था। इन आरोपों पर ध्यान देते हुए, कलेक्टर ने सच्चाई का पता लगाने के लिए एक स्वतंत्र जांच का आदेश दिया।

जांच के लिए तीन सदस्यों की कमेटी बनाई गई ज़िला प्रशासन ने ज़िला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (ष्टश्वह्र) बीएस सोलंकी की अध्यक्षता में तीन सदस्यों की जांच कमेटी बनाई है। ज़िला ट्रेज़री अधिकारी मनीष सोलंकी और नलखेड़ा नगर परिषद की मुख्य नगर अधिकारी मिन्नी अग्रवाल को इस पैनल का सदस्य बनाया गया है। कमेटी को आरोपों की विस्तार से जांच करने और सात दिनों के अंदर अपनी रिपोर्ट सौंपने का काम सौंपा गया है।

जांच में क्या देखा जाएगा?

जांच के तहत, कमेटी मंदिर परिसर का निरीक्षण करेगी और दान और चढ़ावा इकट्ठा करने की पूरी व्यवस्था की जांच करेगी। अधिकारी रसीद बुक, बैंक अकाउंट और दूसरे वित्तीय रिकॉर्ड की जांच करेंगे ताकि यह पता लगाया जा सके कि दान का प्रबंधन तय नियमों के अनुसार किया गया था या नहीं।

मां बगलामुखी मंदिर दान विवाद- सुंदरीकरण समिति के लॉकर से निकला 29 किलो चांदी

आगरा-मालवा। (आरएनएस)। मध्य प्रदेश में नलखेड़ा स्थित प्रसिद्ध मां बगलामुखी मंदिर के रजत सुंदरीकरण के लिए समिति बनाकर दान लेने के मामले की जांच प्रारंभ हो गई है। बुधवार को जांच दल ने नलखेड़ा पहुंचकर बैंक में समिति के नाम से खोले गए लॉकर में रखे सोने-चांदी का वजन कराया। लॉकर में 29 किलो चांदी और 105 ग्राम सोना मिला है। इसके अलावा बैंक खातों में जमा राशि की जानकारी भी प्राप्त की। कितनी राशि का पता लगा है, इसका खुलासा नहीं हो पाया है, लेकिन समिति के सदस्यों ने अधिकारियों के समक्ष अपना पक्ष रखते हुए कहा कि हमने ईमानदारी से मां की सेवा की है। बता दें कि नलखेड़ा में मां बगलामुखी मंदिर के नाम से प्रबंधन के बाहर के लोगों द्वारा समिति बनाकर सोना-चांदी और नकदी दान एकत्रित करने का मामला सामने आया है। इस समिति के सदस्यों ने मंदिर के रजत सुंदरीकरण के लिए परिसर में रसीद काउंटर लगाया। इस मंदिर का प्रबंधन जिला प्रशासन के पास है। ऐसे में, अन्य व्यक्तियों की समिति द्वारा वर्ष 2024 से मंदिर परिसर में रसीद काउंटर लगाकर सोना-चांदी और नकदी एकत्रित किए जाने पर प्रश्न उठ रहे हैं।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में भारत आ रहे एलपीजी टैंकर पर ड्रोन से हमला, इंजन रूम में लगी आग

नई दिल्ली.(आरएनएस)। होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास एक बार फिर तनाव बढ़ गया है. भारत आ रहे कतर के एक एलएनजी (लिक्विफाइड नेचुरल गैस) से लदे जहाज पर संदिग्ध ड्रोन से हमला किया गया है. समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, एलएनजीसी अल रेकय्यात नामक यह जहाज कतर के रास लफ्फान बंदरगाह से गुजरात के दहेज बंदरगाह की ओर जा रहा था, तभी इसे निशाना बनाया गया.

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, हमले के बाद जहाज के इंजन रूम में आग लग गई, जिससे भारी धुआं उठने लगा. हालांकि, किसी के हताहत होने या गैस रिसाव की सूचना नहीं है. जहाज पर कुल 29 चालक दल के सदस्य सवार हैं, जिनमें चार भारतीय नाविक भी शामिल हैं.

सूत्रों के अनुसार, 7 जुलाई को अरब सागर और ओमान की खाड़ी के मिलन बिंदु के पास ट्रांजिट के दौरान एलएनजीसी अल रेकय्यात पर संदिग्ध ड्रोन से हमला हुआ. घटना की जानकारी संबंधित समुद्री प्राधिकरणों को दे दी गई है. हमले के बावजूद जहाज अपनी यात्रा जारी रखते हुए दहेज बंदरगाह की ओर बढ़ रहा है.

बताया जा रहा है कि इस घटना से कुछ घंटे पहले भी फारस की खाड़ी के इसी समुद्री मार्ग से गुजर रहे दो अन्य तेल टैंकरों को निशाना बनाया गया था. ब्रिटेन की समुद्री सुरक्षा एजेंसी यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस ने भी एक जहाज पर अज्ञात ड्रोन हमले की पुष्टि की है. एजेंसी के अनुसार, हमला ओमान के तट के पास हुआ, जब जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर ओमान की खाड़ी में प्रवेश कर रहा था. प्रोजेक्टाइल जहाज के बाईं ओर (पोर्ट साइड) से टकराया, लेकिन जहाज अपनी यात्रा जारी रखने में सक्षम रहा.

होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास लगातार बढ़ते हमलों ने वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति श्रृंखला को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं. हालांकि, इस हमले के लिए जिम्मेदार पक्ष की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है. इसलिए यह कहना कि हमला किसी विशेष देश ने किया, फिलहाल पुष्ट नहीं है.

मंत्रि-परिषद ने प्रदेश में अधोसंरचनात्मक विकास और पुनर्वास कार्यों के लिये दी 2,300 करोड़ रुपये की स्वीकृति

भोपाल-(आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में बुधवार को संपन्न हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में अनेक निर्णय लिए गए है। मंत्रि-परिषद ने प्रदेश में अधोसंरचना विकास और पुनर्वास कार्यों को 2300 करोड़ रूपये की स्वीकृति प्रदान की है। इसी तरह विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रस्ताव अनुसार राज्य डाटा सेंटर के आधुनिकीकरण, आई.टी एवं डिजास्टर रिकवरी सहित अन्य कार्यों के लिए मंत्रि-परिषद ने 800 करोड़ की मंजूरी दी है। विभाग के ही तीन अन्य प्रस्तावों पर विज्ञान पार्क- एकल नागरिक डाटाबेस परियोजना और बॉयो टेक्नालॉजी पार्क की स्थापना एवं संचालन के लिए वर्ष 2031 तक निरंतरता के लिए 123 करोड़ की स्वीकृति दी गई है।

मंत्रि-परिषद ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के एक और प्रस्ताव अनुसार ईएसडीएम इन्वेस्टमेंट प्रमोशन पॉलिसी 2023 के संशोधन प्रस्ताव को स्वीकृति दी है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के तहत स्वामित्व योजना के निष्पादित हस्तांतरण अभिलेखों पर अतिरिक्त स्टांप शुल्क से छूट दिए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। विधि एवं विधायी कार्य विभाग द्वारा प्रस्तुत भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता विधेयक ~2026 को भी मंत्रि-परिषद ने मंजूरी दी है। स्कूल शिक्षा विभाग के प्रस्ताव अनुसार मंत्रि-परिषद ने मुख्यमंत्री स्कूटी योजना को वर्ष 2031 तक निरंतर रखे जाने के लिए 495 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी है। इसी तरह खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा प्रस्तुत मध्यप्रदेश उपार्जित गेहूँ, चना, ज्वार एवं बाजरा निस्तारण नीति ~ 2026 को भी मंत्रि-परिषद ने स्वीकृति दी है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के प्रस्ताव अनुसार मध्यप्रदेश के 65 नगरीय निकायों और उनके आस-पास के वन क्षेत्रों में नगरीय वन विकसित करने के लिए नमो हरित नगर योजना को 100 करोड़ की स्वीकृति दी है।

पाकिस्तान में शारजाह से कराची आ रहा कार्गो विमान लापता, 5 चालक दल के सदस्यों की तलाश जारी

इस्लामाबाद.(आरएनएस)। पाकिस्तान में शारजाह से कराची आ रहा एक कार्गो विमान मंगलवार रात लापता हो गया. विमान में चालक दल के पांच सदस्य सवार थे, जिनकी तलाश के लिए बड़े स्तर पर खोज एवं बचाव अभियान चलाया जा रहा है.

पाकिस्तान एयरपोर्ट्स अथॉरिटी (पीएए) के अनुसार, के2 एयरवेज का बोइंग 737 कार्गो विमान मंगलवार रात करीब 9~18 बजे स्थानीय समय पर कराची एरिया कंट्रोल सेंटर (एसीसी) के संपर्क में था. इसी दौरान पायलट ने नेविगेशन सिस्टम में खराबी आने की सूचना दी,

जिसके बाद एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) ने विमान को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए.

अधिकारियों के मुताबिक, कुछ ही मिनट बाद विमान रडार पर तेजी से नीचे उतरता और अचानक दिशा बदलता दिखाई दिया. इसके बाद कराची से लगभग 155 समुद्री मील पश्चिम में उसका रडार और संचार संपर्क पूरी तरह टूट गया. इसके बाद से विमान का कोई पता नहीं चल सका है.

घटना के तुरंत बाद पाकिस्तान एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ने रेस्क्यू कोऑर्डिनेशन सेंटर को सक्रिय कर दिया. नौसेना, तटरक्षक बल और अन्य संबंधित एजेंसियों की मदद से समुद्र में व्यापक खोज एवं बचाव अभियान चलाया जा रहा है. बचाव दल विमान और उसमें सवार चालक दल के सदस्यों का पता लगाने का प्रयास कर रहे हैं. पीएए ने पुष्टि की है कि विमान में कुल पांच चालक दल के सदस्य सवार थे. हालांकि, उनकी पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है.

बुधवार को के2 एयरवेज ने एक बयान जारी कर कहा कि वह पाकिस्तान के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (पीसीएए) और अन्य सरकारी एजेंसियों के साथ पूरी तरह सहयोग कर रही है. कंपनी ने उम्मीद जताई कि चालक दल के सभी सदस्य सुरक्षित मिलेंगे. गौरतलब है कि पाकिस्तान में इससे पहले मई 2020 में भी एक बड़ा विमान हादसा हुआ था. उस समय पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) का एक यात्री विमान कराची हवाई अड्डे के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया था,

दिल्ली के रोहिणी में बड़ा हादसा~ निर्माणाधीन 5 मंजिला इमारत गिरी, एक की मौत, मलबे में कई लोगों के दबे होने की आशंका

नई दिल्ली।(आरएनएस)। राजधानी दिल्ली के रोहिणी इलाके में बुधवार शाम एक बड़ा हादसा हो गया। रोहिणी सेक्टर-16 के पॉकेट त्र-5 स्थित एमसीडी स्कूल के पीछे निर्माणाधीन पांच मंजिला इमारत अचानक भरभराकर गिर गई। हादसे में एक राहगीर की मौत हो गई, जबकि कई लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है। प्रशासन ने राहत एवं बचाव अभियान तेज कर दिया है। दमकल विभाग के अनुसार शाम करीब 4~20 बजे इमारत गिरने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल विभाग और बचाव दल मौके पर पहुंच गए। दमकल की पांच गाड़ियों को राहत कार्य में लगाया गया है। मलबे को हटाने का काम लगातार जारी है और फंसे लोगों तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है। प्राथमिक जानकारी के अनुसार मलबे से दो लोगों को सुरक्षित निकालकर अस्पताल भेजा गया है। वहीं आशंका है कि अभी भी 5 से 10 लोग मलबे के नीचे फंसे हो सकते हैं। हालांकि प्रशासन ने अभी तक फंसे लोगों की संख्या की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

जर्जर भवन के बाकी हिस्से को गिराने अमला सक्रिय, अस्थायी प्लेटफॉर्म बनाया जा रहा

जबलपुर। शहर के बड़े फव्वारा इलाके में मंगलवार रात एक तीन मंजिला इमारत के ढहने के बाद अब निगम प्रशासन ने मलबे को हटाने और बाकी बचे जर्जर हिस्से को गिराने की कवायद तेज कर दी है। बुधवार को सुबह से ही नगर निगम और पुलिस की टीमें पूरी तरह सक्रिय हैं। हादसे की गंभीरता को देखते हुए कमानिया गेट से लार्डगंज की ओर जाने वाले रास्ते को सुरक्षा कारणों से पूरी तरह बंद कर दिया गया है। ?इमारत का सामने का हिस्सा पहले ही गिर चुका है, लेकिन पिछला हिस्सा खड़ा होने से बड़ा खतरा बना हुआ है। इमारत की अधिक ऊंचाई के कारण सामान्य मशीनों को वहां तक पहुंचने में काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। इस समस्या से निपटने के लिए निगम ने एक अनूठा रास्ता निकाला है। भवन के सामने वाली जगह पर ट्रकों से लगातार मलबा और मिट्टी डलवाकर एक मजबूत अस्थायी प्लेटफॉर्म तैयार किया जा रहा है। जैसे ही यह प्लेटफॉर्म तैयार होगा, हिताची मशीन उस पर चढ़कर ऊंचाई तक पहुंच सकेगी। इसके बाद ही शेष बचे क्षतिग्रस्त हिस्से को नियंत्रित तरीके से ध्वस्त करना संभव हो पाएगा।

?सुरक्षा के लिए प्रशासन की कड़ी निगरानी

?नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि उनकी पहली प्राथमिकता आसपास के क्षेत्र को पूरी तरह सुरक्षित बनाना है। कमानिया गेट की तरफ से आने-जाने वाले यातायात को पूरी तरह रोक दिया गया है ताकि मशीनों के संचालन में कोई व्यवधान न आए। निगम की मशीनें लगातार मलबा हटाने और जर्जर ढांचे को तोड़ने के काम में जुटी हुई हैं। पूरे ऑपरेशन के दौरान पुलिस बल की तैनाती की गई है ताकि किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति पैदा न हो। मलबा हटाने की यह प्रक्रिया तब तक जारी रहेगी जब तक पूरा इलाका पूरी तरह सुरक्षित नहीं हो जाता।

सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता, शोपियां एनकाउंटर में मारा गया लश्कर का टॉप आतंकी जाकिर गनई

श्रीनगर. (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है. चार दिन तक चले आतंकवाद विरोधी अभियान के बाद बुधवार को प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के शीर्ष कमांडर जाकिर गनई का शव हथियार के साथ बरामद किया गया. सुरक्षा बल पूरे इलाके में तलाशी अभियान जारी रखे हुए हैं.

जानकारी के अनुसार, शनिवार को दो संदिग्ध आतंकवादी सीसीटीवी कैमरों में दिखाई दिए थे. इसके बाद सुरक्षा बलों ने

शोपियां के मीमंदर-चानपोरा इलाके में घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया, जो बाद में मुठभेड़ में बदल गया. चार दिन तक चले अभियान के बाद चानपोरा गांव से एक आतंकवादी का शव बरामद हुआ, जिसकी पहचान जाकिर गनई के रूप में हुई. अधिकारियों के अनुसार, वह लश्कर-ए-तैयबा का सक्रिय और शीर्ष कमांडर था.

सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक, मुठभेड़ के दौरान दो आतंकवादी इलाके में छिपे हुए थे. उनकी पहचान जाकिर गनई और लतीफ के रूप में हुई है. दोनों दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के निवासी बताए जाते हैं. प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, जाकिर वर्ष 2024 से लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा था, जबकि लतीफ ने पिछले वर्ष संगठन की सदस्यता ली थी.

यह अभियान सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने संयुक्त रूप से चलाया. अधिकारियों के अनुसार, तलाशी अभियान के दौरान आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी की, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई में मुठभेड़ शुरू हुई. घने बाग होने के कारण अभियान कई दिनों तक जारी रहा. फिलहाल सुरक्षा बल पूरे इलाके की सघन तलाशी ले रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वहां कोई अन्य आतंकवादी छिपा न हो. मामले में आगे की कार्रवाई जारी है.

बद्रीनाथ मंदिर में चढ़ावा चोरी~ धामी सरकार ने बनाई हाई लेवल जांच समिति, आरोपी कर्मचारी निलंबित

उत्तराखंड -(आरएनएस)। बद्रीनाथ मंदिर में दान और चढ़ावे से जुड़ी कथित अनियमितताओं और शिकायतों के बीच, उत्तराखंड सरकार ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय उच्च-स्तरीय समिति का गठन किया है। पर्यटन सचिव धीरज सिंह गर्ब्याल के आदेश के अनुसार, इस समिति की अध्यक्षता गढ़वाल कमिश्नर आनंद स्वरूप करेंगे। समिति के अन्य सदस्यों में नेशनल हेल्थ मिशन के मैनेजिंग डायरेक्टर संदीप तिवारी और मेडिकल एंड हेल्थ सर्विसेज के डायरेक्टर जनरल के ऑफिस में डायरेक्टर (फाइनेंस) जगत सिंह चौहान शामिल हैं।

यह समिति दान और चढ़ावे से जुड़ी कथित अनियमितताओं की विस्तृत जांच करेगी और 15 दिनों के भीतर अपनी जांच रिपोर्ट और सिफारिशें राज्य सरकार को सौंपेगी। जांच के दौरान, अगर ज़रूरत पड़ी तो समिति किसी अधिकारी, विशेषज्ञ या अन्य संबंधित व्यक्ति से मदद और विशेषज्ञ सलाह ले सकती है। साथ ही, यह दान और चढ़ावे की मैनेजमेंट व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और कुशल बनाने के उद्देश्य से इसे मजबूत करने के लिए सुधारात्मक उपायों की सिफारिश भी करेगी।

इस बीच, कथित अनियमितताओं की आंतरिक जांच शुरू होने के बाद मंगलवार को श्री बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (क्चyork्रञ्जष्ट) के एक सदस्य को सस्पेंड कर दिया गया। आधिकारिक कर्तव्यों के निर्वहन में गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आने के बाद, 3 जुलाई 2026 को उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था।

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना घमापुर में रात आशीष कुमार पटेल उम्र 31 वर्ष निवासी लालमाटी साहू मोहल्ला सिद्धबाबा ने लिखित शिकायत की कि दिंनाक 7-7-26 की दोपहर लगभग 1 बजे भारत सेवक समाज से अपनी बच्ची व पत्नी को लेकर घर वापस जा रहा था तभी डॉ. पाण्डे का लड़का पीयूष उर्फरितेश आया जो अत्याधिक शराब पिया हुआ था उससे शराब पीने के लये एक हजार रूपये की मांग करने लगा, उसने रूपये देने से मना किया तो उसे व पत्नी के साथ गाली गलौज करते हुये जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गया।

स्वच्छ हरित और उज्जवल भारत की ओर बढ़ते कदम, नए ठोस कचरा प्रबंधन नियम 2026 पर आयोजित कार्यशाला में प्रशासन द्वारा दी गई जानकारियां

स्वस्थ्य रहने के लिए सफाई है बहुत जरूरी-महापौर अन्नू

वार्ड स्तर पर बनेंगी समितियां, कचरे से बिजली उत्पादन में होगी बढ़ोतरी, कार्यशाला में पीपीटी के जरिए दी गई नए नियमों की जानकारी

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। एक स्वच्छ, हरित और उज्जवल भारत की ओर विषय पर आयोजित एक विशेष कार्यशाला में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विषय पर कार्यशाला आयोजित हुआ जिसमें महापौर जगत बहादुर सिंह 卐अन्नू卐 ने स्पष्ट और बेहद सकारात्मक शब्दों में कहा कि स्वस्थ जीवन जीने के लिए संपूर्ण स्वच्छता पहली और सबसे अनिवार्य शर्त है। उन्होंने कहा कि अब शहर की स्वच्छता और नागरिकों के स्वास्थ्य को लेकर कोई भी समझौता नहीं किया जाएगा।

?महापौर ने कहा, हम सबके ऊपर अब पहले से कहीं अधिक दायित्व बढ़ गया है। जबलपुर को देश का सबसे स्वच्छ और सुंदर शहर बनाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

?नए ठोस कचरा प्रबंधन नियम 2026 कार्यशाला में पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से नए कड़े नियमों की विस्तृत जानकारी दी गई। महापौर ने कहा कि यह नियम शहर को कचरा मुक्त बनाने में मील का पत्थर साबित होंगे।

?स्वच्छता को लेकर लापरवाही बरतने वालों, सड़कों पर कचरा फेंकने वालों और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ चालानी कार्रवाई को अब कानूनी रूप दे दिया गया है। यानी अब अनुशासनहीनता पर सख्त एक्शन लिया जाएगा।

?वार्ड स्तर पर जन-भागीदारी स्वच्छता अभियान को केवल प्रशासनिक न रखकर जन-आंदोलन बनाने के लिए हर वार्ड स्तर पर विशेष समितियों का गठन किया जाएगा। ये समितियां सीधे जनता से जुड़कर जमीनी स्तर पर मॉनिटरिंग करेंगी।

शहर से निकलने वाले ठोस कचरे के सही निष्पादन के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल बढ़ाया जा रहा है। इससे कचरे से पैदा होने वाली बिजली के उत्पादन में भारी बढ़ोतरी होगी, जो आत्मनिर्भरता की ओर एक बड़ा कदम है।

?स्वास्थ्य के साथ समृद्धि का नया दौर

?महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने अपने उद्गारों में इस बात पर विशेष जोर दिया कि जब शहर साफ होगा, तो बीमारियां दूर रहेंगी और नागरिकों का स्वास्थ्य बेहतर होगा। इसके साथ ही कचरे से बिजली बनाने की क्षमता बढ़ने से पर्यावरण के साथ-साथ आर्थिक रूप से भी शहर समृद्ध होगा।

?कार्यशाला के अंत में उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों,प्रबुद्ध नागरिकों एवं अधिकारियों ने नए ठोस कचरा प्रबंधन नियम 2026 को पूरी निष्ठा से लागू करने और जबलपुर को एक स्वच्छ, हरित और उज्जवल भविष्य देने का संकल्प लिया। इस अवसर पर निगमाध्यक्ष रिंकू विज, कलेक्टर राघवेंद्र सिंह, निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार,एम आई सी सदस्य डॉ सुभाष तिवारी, विवेक राम सोनकर , दामोदर सोनी, श्रीमती अंशुल राघवेंद्र यादव, श्रीमती रजनी कैलाश साहू, सिहोरा, पनागर, बरेला आदि के नगर पालिका अध्यक्ष, समस्त पार्षदगणों और सभी अधिकारियों की उपस्थित सराहनीय रही

चढ़ावा चोरी मामले को लेकर कांग्रेस का दो दिवसीय आंदोलन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के विरोध में कांग्रेस द्वारा दो दिवसीय आंदोलन आयोजित किया जाएगा।

प्रथम दिवस - शुक्रवार, 10 जुलाई 2026

कांग्रेस कार्यकर्ता दोपहर 11ः00 बजे से 2ः00 बजे तक रानीताल चौक पर उपवास रखेंगे। इस अवसर पर धार्मिक आस्था एवं सद्भाव के प्रतीक स्वरूप सुंदरकांड पाठ एवं हवन-पूजन का आयोजन भी किया जाएगा।

द्वितीय दिवस - शनिवार, 11 जुलाई 2026

कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल संबंधित थाना पहुंचकर चढ़ावा चोरी के आरोपियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने की मांग करेगा तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी एवं निष्पक्ष कार्रवाई की मांग करेगा।

कांग्रेस के पूर्व विधायक विनय सक्सेना जी के कार्यालय पर बैठक में सभी कार्यकर्ताओं एवं आमजन से इस आंदोलन में शामिल होकर न्याय की मांग को मजबूत करने की अपील की है।

पश्चिम मध्य रेल के इटारसी, जबलपुर, कटनी एवं सतना स्टेशनों के यात्रियों को भी लाभ

पुणे-दानापुर-पुणे स्पेशल ट्रेन 30 सितम्बर तक विस्तारित

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ एवं यात्रा मांग को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन द्वारा संचालित गाड़ी संख्या 01449/01450 पुणे-दानापुर-पुणे दैनिक स्पेशल ट्रेन की अवधि में आगामी 30 सितम्बर तक विस्तार किया गया है। इस निर्णय से पश्चिम मध्य रेलवे के इटारसी, जबलपुर, कटनी एवं सतना स्टेशनों के यात्रियों को लाभ मिलेगा। इस स्पेशल ट्रेन में वातानुकूलित, शयनयान एवं सामान्य श्रेणी के कुल 18 कोच शामिल है।

गाड़ी संख्या 01449 पुणे-दानापुर दैनिक स्पेशल ट्रेन-

यह स्पेशल ट्रेन दिनांक 16 जुलाई 2026 से 28 सितंबर 2026 तक प्रतिदिन पुणे स्टेशन से 15ः40 बजे प्रस्थान कर रास्ते में दौंड कॉर्ड लाइन, अहिल्यानगर जंक्शन (अहमदनगर), कोपरगांव, मनमाड, भुसावल, खंडवा, इटारसी (05ः40/05ः50 बजे), जबलपुर (09ः05/09ः15 बजे), कटनी (10ः30 /10ः35 बजे), सतना (12ः55/13ः00 बजे), मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा रेलवे स्टेशनों पर ठहराव लेते हुए तीसरे दिन भोर 02ः45 बजे दानापुर पहुँचेगी। इस अवधि में यह स्पेशल ट्रेन कुल 75 अतिरिक्त फेरे संचालित करेगी।

गाड़ी संख्या 01450 दानापुर-पुणे दैनिक स्पेशल ट्रेन-

यह स्पेशल ट्रेन दिनांक 18 जुलाई 2026 से 30 सितंबर 2026 तक प्रतिदिन दानापुर स्टेशन से प्रातः 05ः00 बजे प्रस्थान कर आरा, बक्सर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, प्रयागराज छिवकी, मानिकपुर, सतना (18ः10/18ः15 बजे), कटनी (19ः50 /19ः52 बजे), जबलपुर (21ः35/21ः40 बजे), इटारसी (01ः20/01ः25 बजे), खंडवा, भुसावल, मनमाड, कोपरगांव, अहिल्यानगर जंक्शन (अहमदनगर), दौंड कॉर्ड लाइन रेलवे स्टेशनों पर ठहराव लेते हुए दूसरे दिन सायं 18ः15 बजे पुणे स्टेशन पहुँचेगी। इस अवधि में यह स्पेशल ट्रेन कुल 75 अतिरिक्त फेरे संचालित करेगी।

जय घनघोरिया बने म. प्र. पंजा कुश्ती संघ के अध्यक्ष

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। इंडियन आर्म रेसलिंग फेडरेशन के महासचिव मनोज नायर एवं मध्य प्रदेश संघ के महासचिव प्रकाश यादव द्वारा जय घनघोरिया को प्रदेश संघ का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है , इनकी नियुक्त पर संरक्षक एड. अशोक गुप्ता , एन. बी. क्षत्री , उपाध्यक्ष संजय साहू , एड. सुदीप सिंह सैनी , शाहबाज़ खान (जब्बी) भाई , मो. नईम ,ऋषि भान सिंह ठाकुर , नीलेश केवट , शादाब अंसारी , प्रदीप पटेल , पारस राठौर अमित रजक, शैलेन्द्र जायसवाल, मनीष गुप्ता,विजय रजक, हर्ष गोस्वामी , श्याम रजक , परेश सोनी ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें प्रेषित की।

शिक्षक स्वयं रहें तनावमुक्त, विद्यार्थियों को भी दें स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन का मार्गदर्शन - जिला शिक्षा अधिकारी गौतम बर्वे

उमंग स्कूल हेल्थ एंड वेलनेस कार्यक्रम के तीन दिवसीय प्रशिक्षण का समापन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। स्कूल शिक्षा विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में संचालित उमंग स्कूल हेल्थ एंड वेलनेस कार्यक्रम के अंतर्गत हेल्थ एंड वेलनेस एम्बेसडर (शिक्षक) प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन संपन्न हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन 29 जून से 08 जुलाई 2026 तक जबलपुर में विभिन्न चरणों में किया गया, जिसमें जिले के विद्यालयों से 101 चयनित शिक्षकों ने सहभागिता कर प्रशिक्षण प्राप्त किया।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी श्री गौतम बर्वे तथा जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नवनीत कोठारी थे।

इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री गौतम बर्वे ने कहा कि उमंग कार्यक्रम का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की जानकारी देना नहीं, बल्कि विद्यालयों में ऐसा सकारात्मक एवं सुरक्षित वातावरण तैयार करना है, जहाँ प्रत्येक विद्यार्थी शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक एवं सामाजिक रूप से स्वस्थ रह सके। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण प्राप्त शिक्षक अपने-अपने विद्यालयों में हेल्थ एंड वेलनेस एम्बेसडर के रूप में विद्यार्थियों को नियमित रूप से स्वास्थ्य, स्वच्छता, पोषण, मानसिक स्वास्थ्य एवं जीवन कौशल से संबंधित गतिविधियों के माध्यम से जागरूक करेंगे। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे स्वयं भी तनावमुक्त रहें तथा विद्यार्थियों को तनाव प्रबंधन, सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करें।

जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नवनीत कोठारी ने कहा कि वर्तमान समय में बच्चों के समग्र विकास के लिए मानसिक स्वास्थ्य एवं जीवन कौशल का विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से विद्यार्थी स्वस्थ आदतों का विकास करेंगे, संतुलित आहार, व्यक्तिगत स्वच्छता, नियमित व्यायाम, योग, भावनात्मक संतुलन तथा तनाव प्रबंधन जैसी जीवनोपयोगी आदतों को अपनाने के लिए प्रेरित होंगे। इससे वे न केवल शैक्षणिक रूप से बेहतर प्रदर्शन करेंगे, बल्कि स्वस्थ एवं सफल नागरिक के रूप में भी विकसित होंगे।

प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा विद्यालयों में हेल्थ एंड वेलनेस गतिविधियों के प्रभावी संचालन, किशोर स्वास्थ्य, पोषण, मानसिक स्वास्थ्य, व्यक्तिगत स्वच्छता, नशामुक्ति जागरूकता, जीवन कौशल शिक्षा, स्वास्थ्य संवर्धन, योग, तनाव प्रबंधन तथा विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास से संबंधित विषयों पर विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के विभिन्न सत्रों का संचालन श्रीमती प्रतिभा दुबे सहित अन्य विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा किया गया।

सूचना का अधिकार विभाग के प्रदेश अध्यक्ष पुनीत टंडन के आगमन पर उनका भव्य स्वागत किया गया

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर में सूचना का अधिकार विभाग के प्रदेश अध्यक्ष पुनीत टंडन जी के आगमन पर उनका भव्य स्वागत किया गया। इसके साथ ही एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक कदम उठाते हुए, नवनियुक्त जिला अध्यक्ष अनिकेत मिश्रा जी को उनका नियुक्ति पत्र सौंपा गया। इस गरिमामयी अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेतृत्व और कई प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें शामिल हैं- संजय यादव जी (अध्यक्ष, जिला कांग्रेस कमेटी),प्रदेश उपाध्यक्ष जी,राजेश पटेल जी (संगठन महासचिव),विवेक यादव जी (मीडिया प्रभारी),विनय पटेल जी एवं अन्य सम्मानीय पदाधिकारी गण।

नवनियुक्त जिला अध्यक्ष अनिकेत मिश्रा जी को इस नई और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं! आशा है कि आपके नेतृत्व में सूचना का अधिकार विभाग पारदर्शिता और जनहित के कार्यों को एक नई दिशा देगा।

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल कार्यकर्ताओं के द्वारा आज स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर के सदर में आज विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल कार्यकर्ताओं के द्वारा आज स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया , जिसमे समस्त रोगों के डॉक्टरो के द्वारा विभिन्न रोगों का इलाज करते हुए दबा का निशुल्क वितरण भी किया गया ,इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद परिषद एवं बजरंग दल के तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे, आज विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के द्वारा लगभग 40 क्षेत्र में यह स्वास्थ्य शिविर लगाया गया ,जिसमें आम जनमानस के स्वास्थ्य को देखते हुए ,उनको दबा का वितरण भी किया गया ,इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के विभाग संयोजक सुमित सिंह ठाकुर, जिला संयोजक नितेश पारस, जिला मंत्री नवीन सिंह , रमेश यादव , प्रदीप महावर , सचिन कनौजिया, सुरजीत महतो, निखिल रजक,निशु कनौजिया आदि पदाधिकारी कार्यकर्ता मौजूद रहे

अंतस साहित्यिक,सामाजिक और सांस्कृतिक संस्था के तत्वाधान में क्या मौसम आया है

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। में सुहावने मनभावन गीत प्रस्तुति का कार्यक्रम आयोजित हुआ संस्था के संस्थापक डॉ अनिल कुमार कोरी ने सभी गायक कलाकारों एवं वरिष्ठ जनों को सम्मानित किया, कार्यक्रम का संयोजक राजेश तिवारी ने किया।मार्गदर्शन राजेश पाठक प्रवीण, संरक्षक सरोज संतोषी, समन्वयन संदीप बनोधा ने किया । इस अवसर पर कमलकांत उपाध्याय , पी.डी.दीक्षित,इंजी. अरुण भटनागर राजा बेंज आर .एस. चंदेल, सौरभ संतोषी,सलिल तिवारी, चंद्रशेखर गावंडे , मनीष श्रीवास्तव,डॉ अनामिका श्रीवास्तव ,अर्चना गोस्वामी ,माया पांडे, डॉ. आज्ञा मिश्रा, रचना श्रीवास्तव ,आयशा खान रंजना गुप्ता,खुशबू पैगवार निशा पैगवार

आदि ने अपनी सुमधुर प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. मंजू गौरे ने किया आभार विनीता पैगवार विधि ने व्यक्त किया

इस अवसर पर पसंद किए जाने वाले गीत क्या मौसम आया है एक सवाल में करूं

ऊंची ऊंची दुनिया की दिवारे तोड़कर

जाने कैसे कब कहां इकरार

लाख तारे आसमान पर

जादूगर तेरे नैना अफसाना लिख रही हूं तेरे प्यार का आसरा चाहता हूं छुपा लो यूं दिल में प्यार मेरा

ओ सजना बरखा बहार आई

छाप तिलक सब छीनी मोसे नैना मिलाइके आदि गीत प्रस्तुत किए गए द्य इस अवसर पर जादूगर एस के निगम, डॉ ए के शर्मा, बीना शर्मा,डॉ शशि लडिया, मीना भट्ट, पुरुषोतम भट्ट, संतोष नेमा, राकेश पैगवार, एड विजय पांडे,

रश्मि पाठक, चंद्रवती पैगवार , इंजी हर्ष श्रीवास्तव, रजनी श्रीवास्तव, गोविंद डागोर आदि उपस्थित थे।

भोपाल -पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण तथा विमुक्त, घुमन्तु और अर्धघुमन्तु कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा है कि भोपाल महानगर के विकास के लिए मेट्रो परियोजना अत्यंत महत्वपूर्ण है, किंतु इसके निर्माण के दौरान नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा अथवा कष्ट का सामना न करना पड़े। उन्होंने स्पष्ट किया कि नागरिकों को सुगम एवं सुरक्षित आवागमन सहित समस्त आवश्यक जनसुविधाएं उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिक जवाबदेही है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में ढाई साल में सभी लक्ष्य हासिल करेगी सरकार- मध्यप्रदेश में आया लगभग 10 हजार करोड़ रूपए का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश- मप्र में पानी के साथ-साथ हो रही है सौगातों की बारिश

मप्र का इंडस्ट्रियल ग्रोथ इंजन है पीथमपुर, हम यहां बना रहे मेक इन एमपी का इको-सिस्टम - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल-(आरएनएस) मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि %मेक इन इंडिया% स्कीम मध्यप्रदेश के लिए एक लक्ष्य की तरह है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार अगले ढाई सालों में अपने सभी लक्ष्य हासिल करेगी। हमारी सरकार ने देश में निवेश करने वाले निवेशकों के लिए प्रोत्साहन के सभी द्वार खोल दिए हैं। पीथमपुर प्रदेश की औद्योगिक अर्थव्यवस्था का %ग्रोथ इंजन% है। मेक इन इंडिया-मेक इन एमपी अन्तर्गत इन्वेस्टर्स को दिए जा रहे इंसेंटिव्स को धरातल पर उतारने में पीथमपुर का बड़ा योगदान है। प्रदेश में अधिक से अधिक निवेशक आयें, इसके लिए हम भरपूर प्रयास कर रहे हैं। हम पीथमपुर में मेक इन इंडिया-मेक इन एमपी के लिए एक पूरा सपोर्टिंग इकोसिस्टम तैयार कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार पीथमपुर को भावी आवश्यकताओं के अनुरूप ग्रीन इंडस्ट्री, इलेक्ट्रिक व्हीकल, एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग तथा वैश्विक निर्यात के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित कर रही है। हम यहां ऑटोमोबाइल्स, इलेक्ट्रानिक्स, इंजीनियरिंग, फार्मास्युटिल्स और टेक्सटाइल से लेकर टेक्नोलॉजी तक की पूरी चेन तैयार कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को धार जिले के पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र में लिउगोंग इंडिया कंपनी के नए मैन्युफैक्चरिंग प्लांट उदघाटन समारोह में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यहां लिउगोंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की मौजूदा उत्पादन ईकाई के विस्तारित कार्य का उद्घाटन किया। लिउगोंग कंपनी द्वारा यहां अपनी मौजूदा उत्पादन इकाई में 272 करोड़ रुपए का अतिरिक्त निवेश कर नए प्रोडक्शन प्लांट की स्थापना की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का लिउगोंग मशीनरी कंपनी लिमिटेड के प्रेसीडेंट (चेयरमैन) श्री झेंग ज़िन ने पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत-अभिनंदन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह केवल अनाउंसमेंट करने वाली नहीं, धरातल पर डेवलपमेंट लाने वाली सरकार है। उन्होंने कहा कि पीथमपुर मध्यप्रदेश का ही नहीं, पूरे देश का मैन्युफैक्चरिंग गेटवे बन चुका है। एक माह में पीथमपुर में दूसरी बड़ी वैश्विक कंपनी द्वारा नई औद्योगिक इकाई की स्थापना इस बात का प्रमाण है कि निवेशकों का भरोसा मध्यप्रदेश पर लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने लिउगोंग समूह और सभी कंपनी पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि यह नई इकाई प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड संकल्प को मध्यप्रदेश की धरती से एक नई गति प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में इन दिनों वर्षा के साथ-साथ हर दिन नई-नई सौगातों की भी बारिश हो रही है। मात्र 10 दिनों में प्रदेश में 5 ऐतिहासिक औद्योगिक आयोजन हुए हैं, जो यहां हो रहे औद्योगिक विकास की नई तस्वीर दिखा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश में बीते 2 वर्षों में ही करीब 10 हजार करोड़ रूपए का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आया है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के यह आंकड़े विरोधी दलों को जवाब है। लिउगोंग कंपनी ने अपनी प्रोडक्शन यूनिट के विस्तार के लिए भी पीथमपुर को ही चुना।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि लिउगोंग कंपनी दुनिया के सबसे बड़े हैवी अर्थ मूवर्स प्रोड्यूसर्स में से एक है। लगभग 2 दशकों से पीथमपुर में कार्यरत लिउगोंग की इस नई उत्पादन इकाई से कंपनी की वार्षिक उत्पादन क्षमता 3,250 मशीनों से बढ़कर 7,500 मशीनों तक पहुंच जाएगी। इस विस्तार से 600 प्रत्यक्ष तथा सहायक उद्योगों एवं सप्लाई चेन के माध्यम से 5,000 से अधिक अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। इस प्लांट में उत्पादन प्रारंभ होते ही भारतीय उद्योगों से लिए जाने वाले कंपोनेंट्स में कंपनी की हिस्सेदारी भी 40 प्रतिशत से बढ़कर अब 60 प्रतिशत हो जाएगी, जिससे प्रदेश के एमएसएमई, इंजीनियरिंग और ऑटो कंपोनेंट उद्योगों को नई मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि वर्ष 2026 के पहले छह महीनों में ही मध्यप्रदेश को 76 हजार 862 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इन निवेशों से 82 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार मिला। इसमें नर्मदापुरम में सबसे अधिक 11 हजार 500 करोड़ रूपये के निवेश प्रस्ताव आए हैं। पिछले छह महीने में ही मप्र में 41 हजार 950 करोड़ के निवेश से जुड़ी 166 नई औद्योगिक इकाइयों को भूमि आवंटित की जा चुकी है। इन इकाइयों के बनने से लगभग 50 हजार नए रोजगार सृजित होंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि पीथमपुर ऑटो पार्ट्स इंडस्ट्री का भी प्रमुख केंद्र है। यहां लगभग डेढ़ लाख करोड़ रुपए का निवेश आया है और 4 से 5 लाख लोगों को रोजगार मिल रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने पिछले साल सितंबर में धार में ही देश के पहले पीएम मित्र पार्क की नींव रखी थी। टेक्सटाइल सेक्टर का यह पीएम मित्र पार्क मालवा और निमाड़ क्षेत्र के कपास उत्पादक किसानों के लिए वरदान सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश की विकास यात्रा में पीथमपुर से शुरू हो रही यह यूनिट नया अध्याय लिखेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने वर्ष 2025 को उद्योग एवं रोजगार वर्ष के रूप में मनाया। प्रदेश में पहली बार जिला और संभाग स्तर पर रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव और राजधानी भोपाल में प्रधानमंत्री श्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह की उपस्थिति? में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) आयोजित की गई। नए भारत में मध्यप्रदेश भी निरन्तर प्रगति कर रहा है। जीआईएस = 2025 में मध्यप्रदेश में 30 लाख करोड़ रुपए के निवेश के प्रस्ताव मिले थे, जिसके 10 लाख करोड़ का निवेश धरातल पर नजर आने लगा है। उन्होंने कहा कि राज्य में विदेशी निवेश भी तेजी से बढ़ रहा है। अमेरिका, इंग्लैंड, जापान और जर्मनी जैसे बड़े से बड़े देश आज मध्यप्रदेश में निवेश करना चाहते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के विकास में हमारी सरकार कोई कसर नहीं छोड़ रही है। भारत दुनिया का सबसे युवा देश है, जो दुनिया के लिए आकर्षण का केंद्र बन रहा है। मध्यप्रदेश सरकार ने बीते 6 माह में औद्योगिक विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। छह जुलाई को भोपाल के पास सतगढ़ी में नया स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क का भूमि पूजन किया है, इससे 15 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा।

लोक कलाओं में शुरु करें सर्टिफिकेट कोर्स - राज्य मंत्री लोधी

राज्यमंत्री श्री लोधी ने संस्कृति विभाग के विश्वविद्यालयों की समीक्षा बैठक ली

भोपाल (आरएनएस)-संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेन्द्र भाव सिंह लोधी ने मंत्रालय में संस्कृति विभाग के अंतर्गत संचालित विश्वविद्यालयों की एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक ली। राज्य मंत्री श्री लोधी ने कला के क्षेत्र में रुचि रखने वाले युवाओं और स्थानीय प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए लोक कलाओं से संबंधित नए सर्टिफिकेट कोर्स प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने शैक्षणिक सत्र 2026-27 में प्रवेश की स्थिति, विद्यार्थियों के प्लेसमेंट के प्रयासों, अधोसंरचना विकास और विश्वविद्यालयों की वित्तीय स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शासन स्तर पर लंबित मामलों का त्वरित निपटारा किया जाए और रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। राजा मान सिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा वर्तमान में कुल 122 पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इनमें संगीत के 48, नृत्य के 30, ललित कला, नाट्य एवं रंगकर्म के 08 तथा अन्य 06 पाठ्यक्रम शामिल हैं। राज्य मंत्री श्री लोधी ने इन पाठ्यक्रमों की सराहना की और जोर देकर कहा कि विश्वविद्यालयों तथा उनके अंतर्गत संचालित महाविद्यालयों की शैक्षणिक गतिविधियों और कोर्सेस का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि दूर-दराज के विद्यार्थियों तक भी इसकी जानकारी पहुँच सके। सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा इस समय कुल 16 पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इन पाठ्यक्रमों में एम.ए. के 09, एम.एस.सी. का 01, एम.एफ.ए. का 01, डिप्लोमा के 02 और सर्टिफिकेट के 03 कोर्सेस शामिल हैं। राज्य मंत्री श्री लोधी ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि विश्वविद्यालयों में शिक्षा के स्तर और गुणवत्ता से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षण व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएं। बैठक में संस्कृति विभाग के संचालक श्री एन.पी. नामदेव और उपसचिव श्री राजेश गुप्ता उपस्थित रहे। इनके साथ ही राजा मान सिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. स्मिता सहस्त्रबुद्धे, सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार श्री रामनिवास गुप्ता सहित विभिन्न संबद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्य और प्रशासनिक प्रभारी भी बैठक उपस्थित थे।

प्रदेश के सभी रेंज डीआईजी एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्तों की समीक्षा बैठक में त्रिवर्षीय रोडमैप, साइबर अपराध नियंत्रण एवं शिकायत निवारण पर बनी कार्ययोजना

नशामुक्त, साइबर सुरक्षित एवं जनकेंद्रित पुलिसिंग पर डीजीपी श्री कैलाश मकवाणा ने दिए निर्देश

भोपाल (आरएनएस)- केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह द्वारा निर्देशित नशामुक्त भारत अभियान के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए तैयार त्रिवर्षीय रोडमैप के प्रभावी क्रियान्वयन तथा प्रदेश में मादक पदार्थों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई, साइबर अपराध नियंत्रण एवं जनशिकायतों के त्वरित निराकरण की समीक्षा के लिये पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा के निर्देशानुसार प्रदेश के सभी रेंज पुलिस उप महानिरीक्षक एवं भोपाल तथा इंदौर के अतिरिक्त पुलिस आयुक्तों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (गुप्तवार्ता एवं साइबर) श्री ए. साई मनोहर, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (नारकोटिक्स एवं एसटीएफ) श्री डी. श्रीनिवास वर्मा तथा अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (शिकायत एवं कल्याण) श्री सोलोमन यश कुमार मिंज ने विभिन्न विषयों पर विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा ने अधिकारियों को कहा कि प्रदेश में मादक पदार्थों के उन्मूलन, साइबर अपराधों की प्रभावी रोकथाम तथा आमजन की शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिस की प्रत्येक कार्रवाई समयबद्ध, तकनीक आधारित तथा परिणामोन्मुखी होनी चाहिए, जिससे शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की प्रभावी प्राप्ति सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने निर्देश दिए कि 15 जुलाई से प्रारंभ होने वाले राज्यव्यापी जन-जागरूकता अभियान नशे से दूरी, है जरूरी 2.0 को केवल एक सरकारी अभियान तक सीमित न रखते हुए जन-आंदोलन का स्वरूप दिया जाए। इसके लिए सभी जिलों में विभिन्न विभागों, शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक एवं स्वयंसेवी संगठनों, जनप्रतिनिधियों, धार्मिक एवं सामुदायिक संस्थाओं, युवा संगठनों तथा समाज के सभी वर्गों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाए। अभियान के माध्यम से युवाओं, विद्यार्थियों एवं आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रेरित किया जाए। डीजीपी श्री मकवाणा ने कहा कि मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के विरुद्ध सख्त एवं सतत् प्रवर्तन कार्रवाई के साथ-साथ प्रभावी विवेचना, वित्तीय अनुसंधान तथा संगठित अपराधियों एवं तस्करी नेटवर्क के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। वहीं साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए आधुनिक तकनीक, डिजिटल विश्लेषण एवं त्वरित जांच प्रक्रिया का प्रभावी उपयोग किया जाए,

13 जुलाई से प्रदेश में शुरू होगा 'दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान', पशुपालकों को नस्ल सुधार, टीकाकरण और आधुनिक डेयरी तकनीकों की दी जाएगी जानकारी

प्रदेश में दुग्ध उत्पादन और पशुपालन के लिए योजनाओं की जानकारी प्रत्येक पशुपालक तक पहुँचाएं : प्रमुख सचिव उमराव

भोपाल-(आरएनएस) प्रदेश में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने, किसानों, पशुपालकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी प्रत्येक पशुपालक तक आसानी से पहुंचे, इस उद्देश्य से बुधवार को पशुपालन एवं डेयरी विभाग के प्रमुख सचिव श्री उमाकांत उमराव ने संचालनालय पशुपालन एवं डेयरी सभागार में किसानों के प्रतिनिधि मंडल के साथ बैठक की। विभाग द्वारा संचालित योजनाओं और दुग्ध उत्पादन को बढ़ाने की दिशा में किए जा रहे कार्यों पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही उनके सुझाव भी प्राप्त किए। बैठक में श्री महेश चंद्र चौधरी सहित जिलों के किसान भी उपस्थित रहे।

बैठक में प्रमुख सचिव श्री उमराव ने किसान संघ के पदाधिकारियों को प्रदेश में पशुपालन को बढ़ावा देने, प्रदेश को दूध की राजधानी बनाने और दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पशुओं के नस्ल सुधार, पशु पोषण, टीकाकरण एवं सेक्स सॉर्टेड सीमेन के बारे में जानकारी देने के लिए प्रदेश में दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दो चरण पूरे हो गए है। तीसरा चरण 13 जुलाई से शुरू होगा। इसके अंतर्गत विभाग के अधिकारी कर्मचारी पशुपालकों के घर जाएंगे और उन्हें नस्ल सुधार, पशु पोषण, टीकाकरण एवं सेक्स सॉर्टेड सीमेन के बारे में जानकारी देंगे। तीसरे चरण में 3 से 4 पशु (गौवंश एवं भैंसवंश) रखने वाले पशुपालकों के यहां प्रशिक्षित विभागीय अमले द्वारा घर जाकर भेंट की जाएगी। तीसरे चरण में प्रदेश के 5 लाख 72 हजार पशुपालकों के घर जाकर भेंट करने का लक्ष्य रखा गया है। प्रमुख सचिव श्री उमराव ने 13 जुलाई से शुरू होने वाले इस अभियान में मंत्री, सांसद, विधायक सहित अन्य जनप्रतिनिधियों से सहभागिता करने का आग्रह किया। इसके साथ ही प्रमुख सचिव श्री उमराव ने प्रदेश में चलाई जा रही क्षीरधारा योजना सहित अन्य योजनाओं के बारे में जानकारी दी। प्रमुख सचिव श्री उमराव ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य प्रदेश को दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में अग्रणी बनाते हुए 'मिल्क कैपिटल' के रूप में स्थापित करना है। इसके लिए आवश्यक है कि विभाग की योजनाओं और आधुनिक पशुपालन तकनीकों का लाभ अधिक से अधिक किसानों और पशुपालकों तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि 'दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान' इस दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगी।

पासपोर्ट सत्यापन को अधिक प्रभावी एवं समयबद्ध बनाने के लिए संभाग स्तरीय पुलिस प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन

भोपाल -(आरएनएस) आमजन को पासपोर्ट संबंधी सेवाएं अधिक सरल, पारदर्शी, समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण उपलब्ध कराने तथा पुलिस सत्यापन प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा संभाग स्तर पर पुलिस प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम मेंअतिरिक?त पुलिस महानिदेशक गुप?तवार्ता श्री ए.साईं मनोहर के मार्गदर्शन एवं उप पुलिस महानिरीक्षक कानून ०?यवस?था श्री तरूण नायक के निर्देशन में इंदौर पुलिस कमिश्नरेट में पहली बार इंदौर संभाग स्तरीय पुलिस प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें पासपोर्ट सत्यापन प्रक्रिया से जुड़े पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को तकनीकी एवं प्रक्रियागत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यशाला में पुलिस उपायुक्त (आसूचना/सुरक्षा) श्री अमन सिंह राठौड़, पुलिस मुख्यालय भोपाल की सहायक पुलिस महानिरीक्षक (कानून-व्यवस्था) श्रीमती रश्मि मिश्रा, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (आसूचना) श्रीमती प्रियंका डुडवे, क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय भोपाल एवं इंदौर तथा टीसीएस की तकनीकी टीम के प्रतिनिधि, इंदौर संभाग के सभी आठ जिलों—इंदौर, धार, झाबुआ, अलीराजपुर, खंडवा, खरगोन, बड़वानी एवं बुरहानपुर—के पासपोर्ट सत्यापन कार्य से जुड़े पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी प्रशिक्षण में शामिल हुए, जबकि संबंधित जिलों के पुलिस अधीक्षक वर्चुअल माध्यम से जुड़े।

इस अवसर पर पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह ने कहा कि पासपोर्ट सत्यापन केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि यह नागरिकों के विश्वास, राष्ट्रीय सुरक्षा एवं प्रशासनिक जवाबदेही से जुड़ा महत्वपूर्ण दायित्व है।

वीयू .वेटनरी कालेज जबलपुर का 79वें स्थापना दिवस एवं जेवीसी एलुमनाई मिलन समारोह का गरिमामय आयोजन

जबलपुर। नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालयए जबलपुर के घटक पशु चिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन महाविद्यालयए जबलपुर में कल महाविद्यालय का 79वाँ स्थापना दिवस एवं जेवीसी एलुमनाई मिलन समारोह अत्यंत गरिमामय वातावरण में महाविद्यालय सभागार में आयोजित किया गया। समारोह में महाविद्यालय की गौरवशाली 79 वर्षीय शैक्षणिकए अनुसंधान एवं विस्तार सेवाओं की यात्रा का स्मरण करते हुए पूर्व विद्यार्थियोंए प्राध्यापकों एवं वर्तमान विद्यार्थियों के मध्य संवादए अनुभव साझा करने तथा सहयोग को प्रोत्साहित किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री एवं विधायकए पाटन डॉण् अजय विश्नोई रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायकए कैंट श्री अशोक रोहाणी एवं विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति डॉण् गोविंद प्रसाद मिश्रा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रोण् ;डॉण्द्ध मनदीप शर्मा ने की। कार्यक्रम का आयोजन एवं समन्वय महाविद्यालय की अधिष्ठाता ;डीनद्ध डॉण् राखी वैश्य के नेतृत्व में किया गया।

मुख्य अतिथि डॉण् अजय विश्नोई ने पूर्व विद्यार्थियों की उपलब्धियों की प्रशंसा करते हुए उन्हें समाज एवं पशुपालन क्षेत्र के विकास में निरंतर योगदान देने का आह्वान किया।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रोण् ;डॉण्द्ध मनदीप शर्मा ने सभी को शुभकामनाएं देते हुएएमहाविद्यालय की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्थान उत्कृष्ट पशु चिकित्सकों एवं वैज्ञानिकों के निर्माण में निरंतर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। अपने उद्बोधन में उन्होंने शिक्षक से गुरु की यात्रा को एक अनुसंधान यात्रा बताया साथ ही कहा की महाविद्यालय विश्वविद्यालय को शीर्ष तक पहुंचने में निरंतरता बनाए रखने की सोच बहुत जरूरी है उन्होंने नानाजी के जीवन से सीखने तथा उनके आदर्शों पर निरंतर चलने हेतु छात्र छात्राओं को प्रेरित किया जिससे माननीय प्रधानमंत्री जी की विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में योगदान दिया जा सके।

विशिष्ट अतिथि श्री अशोक रोहाणी जी द्वारा सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दृढ़ इच्छा शक्ति से हर कार्य संभव हो सकता है।

मंच में विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित संस्थापक कुलपति डॉ जीपी मिश्रा जी ने महाविद्यालय की उपलब्धियां को भूतपूर्व शिक्षक की मेहनत का नतीजा बताते हुए संबोधित किया।

जेबीसी के अध्यक्ष डॉ ओपी श्रीवास्तव जी ने संगठन की जानकारी साझा की।

अधिष्ठाता राखी वैश्य के द्वारा महाविद्यालय के गत वर्ष का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है।

हिंदू धर्म में मां गायत्री को वेदों की जननी, ज्ञान और पवित्रता की देवी माना जाता है। मां गायत्री को वेदों की माता, देवमाता और विश्वमाता के रूप में भी जाना जाता है। मां गायत्री को पांच मुख वाली देवी के रूप में दर्शाया गया है। कहते यह पांच मुख पंचतत्वों का प्रतीक है। मां गायत्री की पूजा करने से व्यक्ति को समृद्धि, ज्ञान और मोक्ष की प्राप्ति होती है। बता दें कि यदि कोई जातक की कोई मनोकामना है, तो उसको पूरा करने के लिए रोजाना गायत्री चालीसा का पाठ करना चाहिए।

गैर-व्यापार बाधाएं

क्या अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के क्रम भारत अमेरिका को इस बात पर राजी कर पाएगा कि वह दोनों देशों के कारोबार में गैर-व्यापार बाधाएं खड़ी ना करे? भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीयर भारत में हैं। उन्हें आशा है कि मंगलवार और बुधवार की वार्ताओं के दौरान ऐसा हो जाएगा। मगर मुद्दा है कि क्या बातचीत का आधार द्विपक्षीय समझौते का वही फ्रेमवर्क है, जिस पर पिछले फरवरी में सहमति बनी थी? या बदली परिस्थितियों के मद्देनज़र भारत फिर से सौदेबाजी कर रहा है? फ्रेमवर्क के एलान के बाद अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन के लगाए टैरिफ को असंवैधानिक ठहरा दिया था। उससे भारत सरकार को नया मौका मिला। उसका लाभ उठाकर वह उन आलोचनाओं को दूर कर सकती है, जिनसे इस मामले में उस पर समर्पण करने के आरोप लगे हैं। इस बीच अमेरिका ने उत्पादन में जबरिया मजदूरी के इस्तेमाल का आरोप लगाकर भारत के कई निर्यातों पर 12.5 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ लगाया है। अनुचित व्यापार व्यवहार के इल्जाम में उसने भारत के खिलाफ जांच चला रखी है। इनमें अत्यधिक औद्योगिक क्षमता और अमेरिकी उद्योगों को नुकसान पहुंचाने वाली नीतियों के आरोप शामिल हैं। क्या समझौते को अंतिम रूप देने के क्रम भारत अमेरिका को इस बात पर राजी कर पाएगा कि वह दोनों देशों के कारोबार में ऐसी गैर-व्यापार बाधाएं खड़ी ना करे? भारत सरकार के रुख से इन मुद्दों पर दृढ़ रुख अपनाए जाने के संकेत नहीं मिले हैं। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने हाल में कहा कि भारत- अमेरिका ट्रेड डील को तब तक लागू नहीं किया जाएगा, जब तक भारत के लिए प्रतिस्पर्धात्मक लाभ सुनिश्चित नहीं हो जाता।

समंदर बन गई हैं महानगरों की सड़कें, डूबती गाड़ियों को कोई किनारा नहीं मिलता

नीरज कुमार दुबे

क्या हम 2047 के विकसित भारत की इमारत उस बुनियाद पर खड़ी कर रहे हैं जो हर मानसून में हिल जाती है? क्या अब समय नहीं आ गया है कि विकास के दावों से पहले शहरों की जल निकासी व्यवस्था, निर्माण की गुणवत्ता, नगर नियोजन और प्रशासनिक जवाबदेही को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया जाए?

हम 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की बात कर रहे हैं। हम विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का सपना देख रहे हैं। हम आधुनिक बुनियादी ढांचे, स्मार्ट शहरों और वैश्विक स्तर की सुविधाओं का दावा कर रहे हैं। लेकिन क्या हर मॉनसून हमारे इन सभी दावों की वास्तविकता सामने नहीं रख देता? क्या यह सवाल पूछने का समय नहीं आ गया है कि यदि हमारे महानगर और राज्य की राजधानियां कुछ घंटों की बारिश भी नहीं झेल पा रही हैं, तो विकसित भारत की बुनियाद आखिर कितनी मजबूत है? इतिहास क्या यह आश्चर्य की बात नहीं कि महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक और गुरुग्राम जैसे देश के सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक केंद्र हर वर्ष मानसून आते ही जलभराव, जाम और अव्यवस्था की पहचान बन जाते हैं? क्या यह केवल मौसम की मार है, या फिर हमारी नगर योजना, निर्माण व्यवस्था और प्रशासनिक तैयारी की सबसे बड़ी असफलता है? यदि हर वर्ष यही स्थिति बनी है, तो फिर हर वर्ष होने वाली तैयारियों और बैठकों का परिणाम आखिर कहां दिखाई देता है?

क्या स्मार्ट सिटी का अर्थ केवल चौड़ी सड़कें, चमकदार भवन और आकर्षक परियोजनाएं हैं? क्या स्मार्ट शहर वह नहीं होना चाहिए जो सामान्य से अधिक बारिश को भी सहजता से संभाल सके? यदि अरबों रुपये जल निकासी, सड़क निर्माण और शहरी विकास पर खर्च हो रहे हैं, तो पहली तेज बारिश में ही सड़कें नदी और चौराहे तालाब क्यों बन जाते हैं? क्या हर मानसून के बाद वही तस्वीरें, वही बयान और वही आश्वासन सुनना हमारी नियति बन चुकी है? क्या कभी किसी अधिकारी, किसी एजेंसी या किसी निर्माण करने वाली संस्था की जवाबदेही तय हुई? क्या जनता को यह जानने का अधिकार नहीं कि हर वर्ष खर्च होने वाला धन आखिर किस काम में लगाया जाता है?

क्या समस्या केवल अधिक बारिश की है, या फिर प्राकृतिक जलमार्गों पर अतिक्रमण, बिना योजना के विस्तार, कमजोर निर्माण और रखरखाव की अनदेखी इसकी असली वजह है? क्या नदियों, तालाबों और पुराने जल निकासी मार्गों को पाटकर खड़ी की गई इमारतों की कीमत अब पूरा समाज नहीं चुका रहा है? यदि शहरों की सांस लेने वाली प्राकृतिक व्यवस्था को ही समाप्त कर दिया जाएगा, तो पानी आखिर जाएगा कहां? क्या यह सामान्य बात मानी जा सकती है कि बारिश होते ही एंबुलेंस फंस जाए, बच्चे स्कूल न पहुंच सकें, कर्मचारी दफ्तर न जा सकें, बाजार ठप हो जाएं, रेल और हवाई यात्रा थम जाएं और सामान्य जीवन रुक जाए? क्या हर वर्ष होने वाले आर्थिक नुकसान, समय की बर्बादी और जनजीवन की परेशानी का कोई हिसाब भी रखा जाता है? यदि रखा जाता है, तो फिर समाधान आज तक क्यों नहीं मिला? क्या विकसित भारत केवल बुलेट ट्रेन, एक्सप्रेसवे और गगनचुंबी इमारतों से बनेगा? या फिर उसकी पहचान ऐसी मजबूत बुनियादी व्यवस्था से होगी जो हर मौसम में नागरिकों को सुरक्षित और सुगम जीवन दे सके? क्या विश्व स्तर की अर्थव्यवस्था बनने का सपना उन शहरों के सहारे पूरा होगा जो हर मानसून में ठहर जाते हैं? क्या केवल सरकार और प्रशासन पर सवाल उठाना पर्याप्त है? क्या नागरिकों की भी जिम्मेदारी नहीं कि वे नालों में कचरा न डालें, जलमार्गों पर अतिक्रमण का विरोध करें और सार्वजनिक व्यवस्था के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं?

जलालाबाद से परशुरामपुरी बनने की गौरवगाथा में सांस्कृतिक और आर्थिक पुनरुत्थान

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने एक बार फिर सांस्कृतिक पुनर्स्थापना की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। 6 जुलाई को उत्तर प्रदेश सरकार की कैबिनेट बैठक में शाहजहांपुर जिले की जलालाबाद तहसील का नाम बदलकर %परशुरामपुरी% करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। मुग़ल कालीन नाम को हटाकर अपनी मूल सांस्कृतिक जड़ों की ओर लौटना, मात्र एक नाम का परिवर्तन नहीं बल्कि भारत के गौरवशाली अतीत और सनातन अस्मिता की पुनर्स्थापना है। जलालाबाद से परशुराम पुरी की यह यात्रा केवल एक कस्बे के नाम परिवर्तन तक सीमित नहीं है। यह उस सोच का विस्तार है जिसमें स्थानीय इतिहास, लोक-आस्था और सांस्कृतिक स्मृति को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया जा रहा है। भगवान परशुराम, जो शस्त्र और शास्त्र दोनों के प्रतीक माने जाते हैं, उनकी जन्मस्थली को उचित पहचान मिलना नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का माध्यम बन सकता है। इतिहास

जलालाबाद का इतिहास अत्यंत प्राचीन और गौरवशाली रहा है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार यह भगवान परशुराम की तपोभूमि और जन्मस्थली रहा है। इसके बाद, महाभारत काल में भी इस क्षेत्र का विशेष महत्व था, माना जाता है कि पांडवों ने अपने अज्ञातवास का कुछ समय यहाँ के वनों में बिताया था लेकिन मुग़ल काल में थोपे गए इस नाम के कारण इस भूमि की वास्तविक पहचान कहीं छिप गई थी। मुग़ल दस्तावेज़ों में भी इस क्षेत्र का ज़िक्र एक महत्वपूर्ण परगने के रूप में करके इसकी महत्वपूर्ण धार्मिक पहचान को मिटाने का काम किया गया। प्राचीन, सनातन और वास्तविक गौरव %परशुरामपुरी% का यह नाम परिवर्तन वास्तविकता में केवल धार्मिक नहीं, बल्कि इस क्षेत्र के लिए एक बड़ा आर्थिक गेम-चेंजर साबित होने जा रहा है। जैसे ही यह क्षेत्र आधिकारिक तौर पर %परशुरामपुरी% के रूप में स्थापित होगा, देश-विदेश से लाखों श्रद्धालुओं और पर्यटकों का आवागमन बढ़ेगा। पर्यटकों की संख्या बढ़ने से होटल, लॉज, परिवहन, हस्तशिल्प, और पूजा-सामग्री से जुड़े स्थानीय व्यापार को भारी गति मिलेगी।

फ़िल्मी सेलिब्रिटियों की शादियाँ - क्या वे समाज के लिए आदर्श हैं?

भारतीय समाज में फिल्मों का प्रभाव केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है। फ़िल्मी कलाकार करोड़ों लोगों की भावनाओं, सोच, पहनावे, बोलचाल और जीवनशैली को भी प्रभावित करते हैं। यही कारण है कि भारत में अभिनेता और अभिनेत्रियाँ केवल सितारे नहीं, बल्कि अनेक लोगों के लिए प्रेरणा और आदर्श भी बन जाते हैं। ऐसे में उनके निजी जीवन, विशेषकर वैवाहिक संबंधों और पारिवारिक मूल्यों पर भी समाज की स्वाभाविक निगाह रहती है।

यह सत्य है कि पर्दे की दुनिया और वास्तविक जीवन में बहुत अंतर होता है। फिल्मी कलाकारों को अपने पेशे की प्रकृति के कारण ग्लैमर, लोकप्रियता और स्टारडम को बनाए रखना पड़ता है। लेकिन इसके बावजूद समाज उनसे केवल सफल कलाकार होने की नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार और संतुलित व्यक्ति होने की भी अपेक्षा करता है। भारतीय फ़िल्म उद्योग के सौ वर्ष से अधिक के इतिहास में अनेक ऐसे कलाकार हुए हैं जिन्होंने न केवल पर्दे पर आदर्श चरित्र निभाए, बल्कि अपने निजी जीवन में भी पारिवारिक मूल्यों का सम्मान किया। यही कारण है कि पीढ़ियाँ उन्हें अपना आदर्श मानती रही हैं। आज भी मुंबई आने वाला हर प्रशंसक अमिताभ बच्चन , शाहरुख़ खान, अजय देवगन,अक्षय कुमार, अनिल कपूर ,जैकी श्रॉफ,सायरा बानो, हेमा मालिनी, माधुरी दीक्षित, कैटरीना कैफ और अनुष्का शर्मा जैसे सितारों की एक झलक पाने के लिए उत्साहित दिखाई देता है। यह लोकप्रियता केवल अभिनय की नहीं, बल्कि उनके व्यक्तित्व की भी पहचान है। अक्सर यह धारणा बनाई जाती है कि फिल्मी दुनिया में विवाह अधिक समय तक सफल नहीं रहते। यद्यपि यह पूरी तरह सत्य नहीं है। कई कलाकार ऐसे भी हैं जिन्होंने संघर्ष के दिनों से लेकर सफलता के शिखर तक अपने जीवनसाथी और परिवार का साथ निभाया है। अमिताभ बच्चन और शाहरुख़ खान इसके प्रमुख उदाहरण हैं। उन्होंने अपनी उपलब्धियों का श्रेय हमेशा अपने परिवार को दिया और कठिन परिस्थितियों में भी पारिवारिक संबंधों को प्राथमिकता दी। यही कारण है कि वे आज भी लाखों युवाओं के लिए प्रेरणा बने हुए हैं। डिजिटल और सोशल मीडिया के इस दौर में कलाकारों का निजी जीवन पहले से कहीं अधिक सार्वजनिक हो गया है। उनके हर निर्णय पर समाज की प्रतिक्रिया भी तत्काल सामने आती है। ऐसे में जब किसी चर्चित कलाकार का वैवाहिक जीवन टूटता है या वह जीवन के उत्तरार्ध में ऐसा निर्णय लेता है जो सामाजिक मान्यताओं से भिन्न हो, तो उसका प्रभाव केवल उसके परिवार तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसके प्रशंसकों के मन में भी अनेक प्रश्न खड़े करता है। यद्यपि यह प्रत्येक व्यक्ति का निजी अधिकार है, फिर भी सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोगों के निर्णयों का सामाजिक प्रभाव अस्वीकार नहीं किया जा सकता।

निस्संदेह हर नागरिक को संविधान ने अपनी इच्छा अनुसार जीवन जीने की स्वतंत्रता दी है। किसी के व्यक्तिगत निर्णय पर उंगली उठाना उचित नहीं कहा जा सकता। लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि जब समाज किसी कलाकार को अपार प्रेम, सम्मान और लोकप्रियता देकर सफलता के सर्वोच्च शिखर पर पहुँचाता है, तब उससे यह अपेक्षा भी करता है कि उसका सार्वजनिक आचरण और पारिवारिक जीवन समाज के लिए सकारात्मक संदेश देने वाला हो।

विशेष रूप से भारत जैसे पारिवारिक, सांस्कृतिक और पारंपरिक मूल्यों वाले देश में यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि सार्वजनिक जीवन के आदर्श व्यक्तित्व अपने आचरण से भी समाज को सकारात्मक संदेश दें। इसलिए दादा-दादी या नाना-नानी बनने की उम्र में यदि कोई अत्यंत चर्चित कलाकार एक से अधिक बार विवाह करता है, तो वह उसका व्यक्तिगत अधिकार अवश्य है, किंतु भारतीय समाज का एक बड़ा वर्ग उसे आदर्श के रूप में स्वीकार करने में संकोच करता है, क्योंकि यहाँ सफलता का वास्तविक अर्थ केवल प्रसिद्धि या धन नहीं, बल्कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में संतुलन और मर्यादा बनाए रखना भी माना जाता है। इसलिए फ़िल्मी सितारे यदि अपनी कला के साथ-साथ अपने पारिवारिक जीवन से भी सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत करें, तो उनका व्यक्तित्व और अधिक प्रेरणादायी बन सकता है। अंततः किसी कलाकार की सबसे बड़ी उपलब्धि केवल उसकी सुपरहिट फ़िल्में नहीं, बल्कि वह विश्वास और सम्मान है, जो वह समाज के दिलों में जीवनभर बनाए रखता है।

अरविंद रावल
गोपाल कॉलोनी, झाबुआ म.प्र.

परसुराम का फरसा, शिव का वास और अनोखा रहस्य... झारखंड के टांगीनाथ मंदिर के बारे में जानते हैं आप?

झारखंड का गुमला जिला प्राकृतिक सौंदर्य के साथ-साथ देवों की अनूठी महिमा को समेटे हुए है। जिला मुख्यालय से लगभग 75 किलोमीटर और रांची से 150 किलोमीटर दूर डुमरी ब्लॉक के बीहड़ जंगलों और पहाड़ियों के बीच स्थित टांगीनाथ धाम एक ऐसा ही अलौकिक और रहस्यमयी धार्मिक स्थल है।

मान्यता है कि इस पावन परिसर में साक्षात भगवान शिव का वास है। प्राचीन खंडहरों में तब्दील हो चुके इस मंदिर परिसर में आज भी खुले आसमान के नीचे 108 शिवलिंग और दुर्लभ कलाकृतियां बिखरी पड़ी हैं, जो भक्तों को त्रेतायुग के कालखंड में ले जाती हैं।

इस धाम का ऐतिहासिक और पौराणिक महत्व महर्षि परशुराम से जुड़ा है। स्थानीय भाषा में फरसे को %टांगी% कहा जाता है, इसी कारण इस स्थल का नाम टांगीनाथ धाम प्रसिद्ध हुआ। पौराणिक कथाओं के अनुसार, पिता जमदग्नि के आदेश पर मातृ-वध के पाप से मुक्ति पाने के लिए भगवान परशुराम ने इसी स्थान पर घोर तपस्या की थी। वहीं, एक अन्य मान्यता के अनुसार, सीता स्वयंवर में शिव धनुष टूटने पर क्रोधित हुए परशुराम को जब श्री राम के नारायण अवतार होने का ज्ञान हुआ, तो वे आत्मग्लानि से भर गए। पश्चाताप के लिए उन्होंने इसी पहाड़ी पर अपना परशु (फरसा) जमीन में गाड़ दिया और शिव आराधना में लीन हो गए।

हर कोई भारत में जलवायु की बरबादी में रोएगा

हरिशंकर व्यास

जून आधा बीत गया है लेकिन मानसून लापता है। बावजूद इसके सोशल मीडिया बता दे रहा है कि सावन आया! निश्चित ही भीषण गर्मी के बीच अचानक तेज आंधी-तूफान के साथ मूसलाधार बारिश हुई। पर वह एक के बाद एक मजबूत पश्चिमी विक्षोभों की बारिश है, जबकि मानसून आंध्र प्रदेश के आसपास अटका हुआ है। और पूरी संभावना है कि जून, जुलाई, अगस्त और सितंबर का चौमासा (आषाढ़, श्रावण, भाद्रपद और आश्विन) गर्मी, उमस से ऐसा रूलाने वाला होगा कि हर कोई भारत में जलवायु की बरबादी में वैसे ही रोएगा जैसे प्रदूषण से सर्दियों में दिल्ली अधमरी होती है।

यों अधमरी, बरबादी जैसे शब्द बहुत भारी है लेकिन यदि कोई अमेरिकी या रेगिस्तानी अरब-अफ्रीकी देशों के लोग भी भारत की गर्मी-उमस, प्रदूषित सर्दियों में आकर घूमने के हिमाकत करें तो वह अधमरी दशा से सांस लेते हुए होंगे। अमेरिकी विदेश मंत्री जून में ही दिल्ली आए थे। उन्होने कहा वे खुद बहुत गर्मी वाले मायामी से है लेकिन दिल्ली की तीखी गर्मी तो असहनीय है। दुनिया के मौसम, जलवायु वैज्ञानिकों की दो टूक भविष्यवाणी है कि जलवायु परिवर्तनों से सर्वाधिक दक्षिण एसिया प्रभावित होगा। सोचें, बावजूद इस सबके हालिया खबर है कि अडानी धड़ाधड़ कोयले की खदाने ले रहे हैं और मोदीजी के साथ धधकता भारत बना देने की धुन में हैं।

बहरहाल, बात फैल गई। असल मुद्दा 2026 के चौमासे में किसान को दस तरह के संकट झेलने है। आषाढ़, श्रावण, भाद्रपद और आश्विन में वह बारिस के लिए तरसेगा। महीनों से वैश्विक जलवायु मॉडल एल नीनो के असर की चेतावनी दे रहे है। कोई आश्चर्य नहीं जो मध्य भारत और उत्तर भारत में सूखी हवाओं ने मानसूनी धाराओं को रोक दिया है। यदि मौसम एजेंसियों के अनुमान सही निकले तो अगस्त और सितंबर में भारी समस्या होगी।

पर सब कुछ जानते हुए भी सरकार और सोशल मीडिया ने किसानों को सावन का अंधा बना रखा है। सब ठीक है, सामान्य है, समय से पहले ही मानसून चल पड़ा आदि-आदि। किसान क्योंकि सोशल मीडिया को देखता, पढ़ता है। तो वह भी जून में सावन की हवा के मुगालते में है। मेरा इस सप्ताह प्रत्यक्ष अनुभव था, जो दिल्ली से अलवर की और जाते देखा कि बाजारे की बुवाई हो रही है!

जबकि दिल्ली और एनसीआर में मानसून यों भी 27-29 जून के बीच पहुंचता है। उत्तरी राजस्थान में एक से पांच जुलाई के बीच बारिस होती है। बावजूद इसके पश्चिमी विक्षोभ की बारिस में ही बाजरे की बुवाई!

कुल मिलाकर मुद्दा यह कि जलवायु के हर तरह गडबडा जाने के बावजूद सरकारी स्तर पर कुछ भी जोखिम प्रबंधन नहीं। मतलब एल नीनो यदि मानसून को भटकाएगा तो किसानों को क्या करना चाहिए, ऐसी कोई सलाह नहीं। सावधानी बरतने की नसीहत नहीं। बारिस धोखा दे सकती है सो फला-फला वैकल्पिक फसल योजनाएँ हैं। सूखा-सहिष्णु बीजों की फला व्यवस्था हैं।

अगर नहीं किए 84 महादेव के दर्शन

सर्दी का मौसम हो या गर्मी है, कुछ महिलाओं को घूमना बेहद पसंद होता है। वहीं महिलाएं अलग-अलग जगहों को एक्सप्लोर करती हैं। अगर आप भी इन्हीं महिलाओं में से एक हैं और आपको भी घूमना-फिरना काफी पसंद है। तो यह खबर आपके लिए है। आज हम आपको एक ऐसी जगह के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप कुल 84 महादेव के दर्शन कर सकते हैं और इस जगह का बेहद महत्व भी माना जाता है। उज्जैन को बाबा महाकाल की नगरी कहा जाता है। यहां पर हर कोई ज्योतिर्लिंग और काल भैरव के दर्शन के लिए जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपको उज्जैन में एक नहीं बल्कि 84 महादेव के दर्शन करने को मिल सकता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उज्जैन के सभी 84 महादेव के बारे में बताने जा रहे हैं। वहीं 84 महादेवों में सबसे पहले अगस्तेश्वर महादेव आते हैं। फिर गुहेश्वर, डमरुकेश्वर महादेव, ढुंढेश्वर महादेव, स्वर्णजालेश्वर महादेव, त्रिविष्टपेश्वर महादेव, धारकेश्वर महादेव, दशमुखेश्वर महादेव, करभेश्वर महादेव, कंटकेश्वर महादेव, कंडुकेश्वर महादेव, सिंहेश्वर महादेव, प्रह्लादकेश्वर महादेव, राजेंद्रेश्वर महादेव, कोटिश्वर महादेव, विमलेश्वर महादेव, अंधकेश्वर महादेव, नीलकंठेश्वर महादेव, कपालमोचन महादेव, अनादि सिद्धेश्वर महादेव, अनादि कल्पेश्वर महादेव, शुक्रेष्वर महादेव, संगमेश्वर महादेव, हाटकेश्वर महादेव, मुकुटेश्वर महादेव, जटेश्वर महादेव, च्यवनेश्वर महादेव, अप्सरेश्वर महादेव, वरुणेश्वर महादेव, दशपुरेश्वर महादेव, नागचंद्रेश्वर महादेव, कुटुम्बेश्वर महादेव, महाकालेश्वर महादेव, जटाश्रृंगेश्वर महादेव, कर्कटेश्वर महादेव, घटकेश्वर महादेव,

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी- राष्ट्र प्रथम का अमर संदेश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

आज, 6 जुलाई का दिन राष्ट्रवाद और निस्वार्थ सेवा के आदर्शों में विश्वास रखने वाले करोड़ों देशवासियों के लिए बहुत ही विशेष है। आज हम डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जन्म-जयंती मना रहे हैं। उनका जीवन साहस और मां भारती के प्रति अटूट समर्पण का प्रेरणादायक उदाहरण है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के व्यक्तित्व में विद्वता, जनसेवा और उच्च नैतिक मूल्यों का अद्भुत संगम था। आधुनिक भारत के कुछ ही नेताओं में इतने सारे गुण एक साथ देखने को मिलते हैं।

श्यामा प्रसाद जी का जन्म ऐसे परिवार में हुआ था, जहां उन्हें सुख-सुविधाओं से भरपूर जीवन आसानी से मिल सकता था। उनके पिता सर आशुतोष मुखर्जी की गिनती अपने समय के महान शिक्षाविदों में होती थी। लेकिन तमाम सुविधाओं के बावजूद श्यामा प्रसाद जी ने त्याग और राष्ट्रसेवा का मार्ग चुना। उनका दृढ़ विश्वास था कि चाहे अंग्रेजी शासन का विरोध हो, सांप्रदायिकता से लड़ाई हो या मानवीय संकटों का सामना, वे अपने समय की इन चुनौतियों के सामने मूकदर्शक बनकर नहीं रह सकते। इस सफर में उन्हें कई गहरे व्यक्तिगत दुख भी झेलने पड़े। पहले उन्होंने अपने छोटे बच्चे को खोया और बाद में पत्नी का भी निधन हो गया। लेकिन इन दुखद परिस्थितियों में भी उन्होंने अपने हौसले को कमजोर नहीं पड़ने दिया। उनका संकल्प और सशक्त हुआ, राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण और गहरा होता गया।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन का सबसे बड़ा उद्देश्य भारत की एकता और अखंडता की रक्षा करना था। देश के विभाजन के समय उन्होंने पश्चिम बंगाल को भारत का अभिन्न अंग बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कुछ वर्षों बाद इसी उद्देश्य से उन्होंने जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर भी संघर्ष किया। जेल और नजरबंदी भी उन्हें रास्ते से डिगा नहीं सकी। जब नजरबंदी के दौरान उनका निधन हुआ, तब वे उन अनगिनत लोगों से बहुत दूर थे, जिनके लिए वे जीवनभर संघर्ष करते रहे। इतिहास में कुछ ऐसे पल आते हैं, जब किसी व्यक्ति का सर्वोच्च बलिदान राजनीति से ऊपर उठकर देश की स्मृति का हिस्सा बन जाता है। डॉ. मुखर्जी का बलिदान भी ऐसा ही था। आचार्य विनोबा भावे ने कहा था कि डॉ. मुखर्जी ने उस उद्देश्य के लिए अपना बलिदान दिया, जिस पर उन्हें पूरा विश्वास था। दशकों बाद, साल 2019 में आर्टिकल 370 और 35(ए) को हटाया जाना उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि थी।

डॉ. मुखर्जी ने हमेशा राष्ट्रहित और भारतीय मूल्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। इसके लिए उन्होंने मजबूत संस्थानों का निर्माण किया और ऐसी व्यवस्थाएं बनाईं, जो उस समय की सोच से काफी आगे थीं। वे कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे युवा कुलपति बने। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था में ऐसे बदलाव किए, जो राष्ट्रहित और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप थे। शिक्षाविदों के एक सम्मेलन में डॉ. मुखर्जी ने कहा था, ''शिक्षण संस्थानों को केवल बाबू या कम वेतन वाले कर्मचारी तैयार करने की फैक्ट्री समझना गलत है। हमें विद्यार्थियों को ऐसे तैयार करना होगा ताकि वे नेतृत्व की भूमिका निभा सकें। हमारी स्वशासी संस्थाओं जैसे म्युनिसिपल कॉरपोरेशन्स, प्रांतीय और केंद्रीय विधायिकाओं में बड़ी जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार हो सकें। इसके साथ ही वे वित्त, व्यापार और उद्योग जैसे क्षेत्रों में भी अपनी प्रतिभा दिखा सकें।''

कलकत्ता विश्वविद्यालय में अपने नेतृत्व में उन्होंने कई महत्वपूर्ण कार्य किए। इनमें लाइब्रेरी की सुविधाओं में सुधार, विज्ञान में रिसर्च को बढ़ावा देना, ऐतिहासिक वस्तुओं के अध्ययन को प्रोत्साहित करना और कृषि से जुड़े पाठ्यक्रम शुरू करना शामिल था। उन्होंने खेलकूद, टीचर्स ट्रेनिंग और स्टूडेंट वेलफेयर जैसे क्षेत्रों पर भी विशेष ध्यान दिया। विद्यार्थियों में अपनी यूनिवर्सिटी के प्रति गर्व की भावना विकसित हो, इसके लिए उन्होंने 24 जनवरी को विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस मनाने की परंपरा शुरू की। उन्होंने गुरुदेव टैगोर से विश्वविद्यालय के लिए एक गीत लिखने का अनुरोध भी किया था।

उनके जीवन के बाद के वर्षों में इस भावना का एक और उदाहरण तब देखने को मिला, जब उन्होंने भारतीय जनसंघ बनाने का निर्णय लिया। उस समय देश में हर तरफ कांग्रेस पार्टी का ही बोलबाला था। ऐसे में उन्होंने महसूस किया कि देश को एक ऐसे नए विकल्प की बहुत जरूरत है, जो भारत की प्रगति की बात भी करे और हमारी सांस्कृतिक जड़ों से भी जुड़ा रहे। शायद इसी को ध्यान में रखते हुए पार्टी का चुनाव चिह्न %दीपक% यानि मिट्टी का दीया रखा गया। एक अकेला दीया देखने में भले ही छोटा लगे, लेकिन उसमें अपने आस-पास के गहरे से गहरे अंधकार को मिटाने की अद्भुत शक्ति होती है। जनसंघ ने अपने सक्रिय काल में और उसके बाद भी बिल्कुल यही किया।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का भारत के पहले उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री के रूप में कार्यकाल बेहद अहम रहा। उन्हें एक ऐसे राजनेता के रूप में याद किया जाता है, जिनका विजन बहुत विराट था। वे उद्योग को नए-नए आजाद हुए भारत के लोगों में सम्मान, अवसर और आत्मविश्वास का संचार करने का सशक्त माध्यम मानते थे। वे वेल्थ और वैल्यू क्रिएशन के महत्व को भली-भांति समझते थे। उन्होंने दामोदर वैली कॉरपोरेशन, सिंदरी उर्वरक संयंत्र और मजबूत औद्योगिक नीति जैसी ऐतिहासिक पहल की। इसके माध्यम से आधुनिक औद्योगिक भारत की नींव रखी। इसके साथ ही उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि भारत के पारंपरिक सामर्थ्य की कभी उपेक्षा न हो। वे हथकरघा, कुटीर उद्योग, कारीगरों और कपड़ा उद्योग से जुड़े श्रमिकों के हितों के भी प्रबल समर्थक थे।

यहां मैं अपना एक निजी अनुभव भी साझा करना चाहता हूं। आत्मनिर्भर भारत के स्पष्ट विजन के साथ जिस सिंदरी संयंत्र की स्थापना के लिए डॉ. मुखर्जी ने अथक प्रयास किए थे, उसकी कई दशकों तक सत्ता में रहने वाले लोगों ने घोर उपेक्षा की। मुझे इस बात का संतोष है कि हमारी सरकार को उसके पुनरुद्धार का सौभाग्य मिला। उस कार्यक्रम में उपस्थित होना मेरे सार्वजनिक जीवन के सबसे विशेष और अविस्मरणीय क्षणों में से एक बन गया।

भारत की प्राचीन परंपरा सदियों से संवाद और विचार-विमर्श का सम्मान करती आई है। डॉ. मुखर्जी इस लोकतांत्रिक भावना के सशक्त प्रतीक थे। उन्होंने पंडित नेहरू के मंत्रिमंडल में शामिल होना इसलिए स्वीकार किया, क्योंकि वे मानते थे कि देश को आजादी के शुरुआती वर्षों में राष्ट्र निर्माण का दायित्व राजनीतिक मतभेदों से कहीं ऊपर है। उन्होंने पूरी निष्ठा और रचनात्मक दृष्टिकोण के साथ अपनी जिम्मेदारियों को निभाया। लेकिन जब उन्हें लगा कि राष्ट्रीय महत्व के कुछ प्रश्नों पर देशहित में अलग मार्ग अपनाना आवश्यक है, तो उन्होंने पूरी गरिमा के साथ अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

-:: आज का राशिफल ::-

मेष राशि- आज का दिन आपके जीवन में यादगार रहेगा। असंभव सा लगने वाला काम आज पूरा हो जाएगा। आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। घर पर किसी दोस्त के यहाँ से पार्टी का इनविटेशन आ सकता है।

वृष राशि- आज नये कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी, जिससे आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। अपना ध्यान ईश्वर भक्ति में लगाये मन शांत रहेगा।

मिथुन राशि- आज का दिन आपके लकी रहेगा। आज आपकी कंपनी को किसी बड़ी कंपनी की ओर से डील करने का ऑफर मिलेगा। संगीत से जुड़े लोग किसी बड़े कॉन्सर्ट में हिस्सा लेंगे।

कर्क राशि- आज के दिन आप तरोताजा महसूस करेंगे और आपका सेल्फ कॉमफिडेंस काफी अच्छा रहेगा।आज संडे को ऑफिस में एक्सट्रा वर्क करने से रुका हुआ काम पूरा हो जायेगा। आज किसी तरह के तर्क-वितर्क में पड़ने से आपको बचना चाहिए।

सिंह राशि- आज के दिन आपको शुभ समाचार मिलने योग हैं। लॉ स्टूडेंट्स अपनी पढ़ाई-लिखाई में थोड़ा बदलाव करने की सोच सकते हैं, जो कि उनके भविष्य के लिए फायदेमंद साबित होगा। आपको अपने खान-पान में सावधानी रखने की जरूरत है

कन्या राशि- आज के दिन धार्मिक कार्यों में आपका रुझान बढ़ेगा। आज सोशल साईट के जरिये आप नए लोगों से जुड़ेंगे। किसी काम के लिए, योजना बनाने और फैसले लेने के लिए दिन शुभ है। आज बच्चे खेलकूद में व्यस्त रहेंगे।

तुला राशि- आज आपका दिन परिवार वालों के साथ बीतेगा। आज आपको जरूरतमंद लोगों की मदद करने का मौका मिलेगा। कार्यों में आ रही रुकावटें आज समाप्त हो जायेंगी।

वृश्चिक राशि- आज के दिन आपके जीवन में नयापन लेकर आएगा। आपकी मनोकामनाएं पूरी होंगी जिससे आप कुछ और बेहतर करने का सोचेंगे। व्यापार के सिलसिले में आज आपको दूसरे शहर की यात्रा करनी पड़ सकती है। बच्चों द्वारा कोई शुभ समाचार मिलने से घर में खुशी का माहौल रहेगा।

धनु राशि- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक रहेगा। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से आपकी मुलाकात होगी जिससे आप काफी मोटिवेट होंगे। विदेशी कंपनियों में जॉब के लिए प्रयासरत लोगों को आज खुशखबरी मिल सकती है।

मकर राशि- आज आपका दिन व्यस्तता से भरा रहेगा। पारिवारिक जिम्मेदारियों को अच्छी तरह निभायेंगे। आज किसी से निजी समस्याओं को शेयर करने से आपको बचना चाहिए।

कुंभ राशि- आज का दिन आपके जीवन में नया अवसर लेकर आएगा। आपको परिवार वालों का पूर्ण स्नेह और सहयोग प्राप्त होगा। आज आपके मित्र बहुत ही मददगार साबित होंगे। आज ऑफिस में आपके ड्रेस की तारीफ होगी, जिससे आप कॉन्फिडेंट और खुश हो जायेंगे।

मीन राशि- आज का दिन ठीक- ठाक रहेगा। व्यापार के मामले में आपके मन में नए-नए विचार आयेंगे। किसी काम में बड़े भाई की सलाह आपके लिए, फायदेमंद साबित होगी। जिंदगी की भाग दौड़ में आज आप खुद को खुशनसीब पाएंगे।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को केंद्र के इथेनॉल-ब्लेंडिंग प्रोग्राम का ज़ोरदार बचाव किया। उन्होंने हितों के टकराव के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि इस पॉलिसी से गाड़ियों को कोई नुकसान नहीं हुआ है। उन्होंने आलोचकों को चुनौती दी कि वे श्व20 फ्यूल से किसी पेट्रोल गाड़ी को नुकसान पहुंचने का सबूत पेश करें। साथ ही, उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि इस पहल का मकसद फ्यूल का आयात कम करना, साफ़-सुथरे फ्यूल को बढ़ावा देना

पीएम मोदी को मिला इंडोनेशिया का सर्वोच्च सम्मान, ब्रह्मोस-अस्त्र मिसाइल डील पर मुहर से चीन भी सन्न

नई दिल्ली,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तीन दिवसीय इंडोनेशिया यात्रा ने भारत और इंडोनेशिया के रणनीतिक, रक्षा और सांस्कृतिक संबंधों में एक नया ऐतिहासिक अध्याय जोड़ दिया है। इस बेहद अहम यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच कई बड़े समझौते हुए हैं, जो इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की राजनीति को बदलने की ताकत रखते हैं। सबसे बड़ा धमाका रक्षा क्षेत्र में हुआ है, जहां ब्रह्मोस और स्वदेशी अस्त्र मिसाइलों को लेकर अहम सहमति बनी है। इसके साथ ही, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने देश के सर्वोच्च सम्मान से नवाजने का ऐतिहासिक ऐलान किया है।

पीएम मोदी को मिला इंडोनेशिया का सर्वोच्च सम्मान

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने भारत-इंडोनेशिया के तेजी से मजबूत होते रिश्तों और पीएम मोदी के वैश्विक नेतृत्व का सम्मान करते हुए उन्हें इंडोनेशिया के सर्वोच्च सम्मान 'बिन्तांग अदिपूर्णा ऑफ रिपब्लिक ऑफ इंडोनेशिया' मेडल से नवाजा है। यह सम्मान वैश्विक स्तर पर भारत की बढ़ती साख और पीएम मोदी की कूटनीतिक सफलता का एक और बड़ा प्रमाण है।

अस्त्र और ब्रह्मोस मिसाइल पर बड़ा समझौता

भारत और इंडोनेशिया के बीच द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को इस दौरे से एक ऐतिहासिक बूस्ट मिला है। हाल ही में 'ऑपरेशन सिंदूर' में शानदार प्रदर्शन से प्रभावित होकर, इंडोनेशिया ने भारत की स्वदेशी 'अस्त्र' (हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल) खरीदने का बड़ा फैसला किया है। इसके अलावा, भारत अपनी दुनिया की सबसे घातक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल 'ब्रह्मोस' की अतिरिक्त बैटरियां भी इंडोनेशिया को सप्लाई करेगा। इस डील से इंडोनेशियाई नौसेना की तटीय रक्षा प्रणाली अभूतपूर्व रूप से मजबूत होगी।

'सबंग पोर्ट' का मिलकर विकास करेंगे दोनों देश

चीन की बढ़ती समुद्री गतिविधियों के बीच दोनों देशों ने रणनीतिक रूप से बेहद संवेदनशील और अहम 'सबंग पोर्ट' का संयुक्त विकास करने का फैसला किया है। यह बंदरगाह 'स्ट्रेट ऑफ मलक्का' के मुहाने पर स्थित है, जहां से दुनिया का एक बड़ा समुद्री व्यापार गुजरता है। यह कदम इंडो-पैसिफिक की सुरक्षा और चीन के प्रभाव को संतुलित करने के लिहाज से एक मास्टरस्ट्रोक माना जा रहा है।

भारत के क्च्छ्व और इंडोनेशिया के त्तक्रढ्ढस् का लिंकेज

राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने ऐलान किया कि दोनों देश अब डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में मिलकर काम करेंगे। इसके तहत भारत के क्च्छ्व और इंडोनेशिया के त्तक्रढ्ढस् (त्तक्र पेमेंट कोड) के बीच क्रॉस-बॉर्डर लिंकेज किया जा रहा है। इसका सीधा फायदा बाली और इंडोनेशिया के अन्य शहरों में जाने वाले लाखों भारतीय पर्यटकों और व्यापारियों को मिलेगा, जो अब सीधे अपने फोन से बेहद आसान और सस्ते तरीके से डिजिटल भुगतान कर सकेंगे। साथ ही, भारत इंडोनेशिया को उनके चुनावों के लिए खास 'इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन' (श्वङ्कस्ल्ह्य) विकसित करने में भी तकनीकी मदद देगा।

इंडोनेशिया में खुलेंगे ढ्ढढ्ढञ्ज और ढ्ढढ्ढरू के कैंपस

भारत की तकनीकी और बौद्धिक क्षमता का परचम अब इंडोनेशिया में भी लहराएगा। भारत के सबसे प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान— ढ्ढढ्ढञ्ज (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान) और ढ्ढढ्ढरू (भारतीय प्रबंध संस्थान) अब इंडोनेशिया में अपने नए कैंपस स्थापित करेंगे। इस ऐतिहासिक कदम से दोनों देशों के युवाओं के बीच तकनीकी और प्रबंधकीय शिक्षा को एक नया आयाम मिलेगा।

समुद्री सुरक्षा और ऐतिहासिक प्रम्बानन मंदिर के संरक्षण पर समझौता

इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति, स्थिरता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दोनों देशों ने 'समुद्री सुरक्षा और आपदा प्रबंधन' के लिए आधिकारिक तौर पर एक रूश्व पर हस्ताक्षर किए हैं।

थल सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ और उनकी पत्नी कोमल सेठ ने नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्राबोवो सुबियांतो के साथ, जब उन्हें जकार्ता, इंडोनेशिया में एक समारोह के दौरान देश के सर्वोच नागरिक सम्मान बिंटांग आदिपूर्णा ऑफ द रिपब्लिक ऑफ इंडोनेशिया से सम्मानित किया गया।

बाबरी पर घड़ियाली आंसू बहाने वाले कर रहे आस्था की बात, सीएम योगी का कांग्रेस-सपा पर हमला

प्रतापगढ़,(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रतापगढ़ से कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर तीखा राजनीतिक हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि दोनों दल आज जाति और आस्था के नाम पर समाज को बांटने की राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने भगवान राम और भगवान कृष्ण के अस्तित्व पर सवाल उठाए, जबकि समाजवादी पार्टी ने रामभक्तों पर गोलियां चलवाईं। ऐसे दलों को आस्था पर बोलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को प्रतापगढ़ के विश्वनाथगंज विधानसभा क्षेत्र में 384 करोड़ रुपए से अधिक लागत की 111 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के पास जनता के सामने रखने के लिए केवल दो मुद्दे बचे हैं- जाति के नाम पर विभाजन और सनातन आस्था पर प्रहार। हाल के दिनों में इन दलों ने भारत की सनातन परंपरा और धार्मिक आस्था पर हमला करने की कोशिश की है, लेकिन जनता उनकी मंशा को अच्छी तरह समझ चुकी है।

सीएम योगी ने कहा, फ्जो कांग्रेस कभी कहती थी कि भगवान राम और भगवान कृष्ण का अस्तित्व ही नहीं था, वही आज अयोध्या और आस्था की बात कर रही है। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने कभी बाबरी ढांचे का समर्थन किया और उस पर घड़ियाली आंसू बहाए। अब ये गिरगिट की तरह रंग बदलकर आस्था की राजनीति कर रहे हैं।फ्

उन्होंने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि जिस पार्टी ने रामभक्तों पर गोलियां चलवाईं, उसे आस्था की बात करने का कोई अधिकार नहीं है। रामभक्त अगर अयोध्या की आस्था की बात करें तो वह स्वाभाविक है, लेकिन जिन दलों ने भगवान राम के अस्तित्व को नकारा या रामभक्तों का दमन किया, वे आस्था का नाम लेकर केवल राजनीतिक लाभ लेना चाहते हैं।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने पूर्ववर्ती सरकारों पर धार्मिक स्थलों की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कहा कि हिंदू धार्मिक विरासत से जुड़े स्थलों के संरक्षण और पुनरुद्धार के लिए उपलब्ध संसाधनों का इस्तेमाल कब्रिस्तानों की चारदीवारी बनाने में किया गया। ऐसे लोगों को यह बताना चाहिए कि वे किस आस्था की बात कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि देश और प्रदेश की जनता अब कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की राजनीति को समझ चुकी है और उनके बहकावे में आने वाली नहीं है। प्रदेश सरकार विकास और विरासत दोनों को साथ लेकर आगे बढ़ रही है तथा यही डबल इंजन सरकार की प्राथमिकता है

मूसलाधार बारिश से महाराष्ट्र बेहाल, मुंबई-ठाणे सहित छह जिलों में छुट्टी

मुंबई,(आरएनएस)। महाराष्ट्र के कई हिस्सों में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने आम जनजीवन की रफ्तार पर पूरी तरह से ब्रेक लगा दिया है। सूबे के विभिन्न अंचलों में भारी जलभराव, सड़कों पर थमी गाड़ियों और उफान मारते नदी-नालों के चलते जनजीवन बेपटरी हो गया है। इस बीच, मौसम विभाग (ढ्ढरूष्ठ) द्वारा आगामी 24 घंटों के लिए मूसलाधार बारिश का %ऑरेंज अलर्ट% जारी किए जाने के बाद प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। एहतियात के तौर पर राज्य के छह प्रमुख जिलों में स्कूल और कॉलेजों को बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं। लगातार बिगड़ते मौसम और बच्चों की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए स्थानीय प्रशासन ने मुंबई शहर, मुंबई उपनगर, ठाणे, पालघर, नासिक और रायगढ़ जिलों के सभी स्कूलों और कॉलेजों में आज भी अवकाश घोषित किया है। संबंधित जिलाधिकारियों और नगर निगमों द्वारा जारी आधिकारिक आदेशों के अनुसार, यह फैसला सरकारी, निजी, एडेड और अनएडेड सभी तरह के शैक्षणिक संस्थानों पर समान रूप से लागू रहेगा। बीते कुछ दिनों से जारी मानसूनी बारिश के कारण मुंबई महानगर क्षेत्र (रूरूक्र), कोंकण और उत्तर महाराष्ट्र के मैदानी इलाकों में पानी भर गया

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह, सहकारिता रा%य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर और नागरिक उड्डयन रा%य मंत्री मुरलीधर मोहोल नई दिल्ली के भारत मंडपम में सहकारिता मंत्रालय के 5वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए।

चढ़ावा चोरी विवाद पर विहिप का बड़ा बयान, ट्रस्ट की कार्रवाई को बताया पूरी तरह सही

दिल्ली,(आरएनएस)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने अयोध्या के राम मंदिर चढ़ावा घोटाले की निष्पक्ष और गहन जांच की मांग उठाई है। विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने %अमर उजाला डॉट कॉम% के विशेष कार्यक्रम %खरी बात% में दोटूक कहा कि इस पूरे प्रकरण की ऐसी गंभीर जांच होनी चाहिए, जिसके दायरे से कोई भी रसूखदार व्यक्ति या पहलू बाहर न छूट पाए। हालांकि, उन्होंने मंदिर के प्रबंधन को सरकारी हाथों में सौंपने के विचार का कड़ा विरोध किया है। उनका मानना है कि सरकारी व्यवस्थाओं में भी अनियमितताओं की आशंका बनी रहती है। विहिप के अनुसार, राम मंदिर तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट की ओर से इस मामले में कोई कोताही नहीं बरती गई है, क्योंकि ट्रस्ट ने खुद ही तत्परता दिखाते हुए पुलिस में एफआईआर दर्ज कराई और जांच में सहयोग कर रहा है।

ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय पर लग रहे आरोपों को लेकर आलोक कुमार ने कहा कि अभी यह प्रमाणित होना बाकी है कि उन पर उठाए जा रहे सवाल कितने सही हैं। जमीन खरीद में सामने आई कथित गड़बड़ियों पर उन्होंने साफ किया कि यह पूरा विषय एसआईटी (स्ढ्ढञ्ज) की एफआईआर और जांच के दायरे में है,

भारी बारिश के बीच 4 दिन में 85 हजार पार हुआ श्रद्धालुओं का आंकड़ा, बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए उमड़ा जनसैलाब

श्रीनगर (आरएनएस)। अमरनाथ यात्रा शुरू होने के महज चार दिनों के भीतर 85,779 श्रद्धालु बाबा बर्फानी के गुफा मंदिर में दर्शन कर चुके हैं। सोमवार को 28,818 श्रद्धालुओं ने गुफा में पहुंचकर बाबा अमरनाथ के दर्शन किए। प्रशासन का कहना है कि यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

अधिकारियों के मुताबिक, 3 जुलाई से शुरू हुई अमरनाथ यात्रा पूरे उत्साह के साथ जारी है। सोमवार को दिनभर कई इलाकों में तेज बारिश हुई। खराब मौसम के बावजूद श्रद्धालु बालटाल और पहलगाम, दोनों मार्गों से 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित गुफा तक पहुंचे और बाबा बर्फानी के दर्शन किए।

दर्शन करने के बाद सोमवार शाम श्रद्धालु सुरक्षित रूप से बालटाल बेस कैंप लौट आए। अधिकारियों के अनुसार, दक्षिण कश्मीर के पहलगाम स्थित नुनवान बेस कैंप तक वापस पहुंचने में तीन से चार दिन लग जाते हैं। यही वजह है कि पहलगाम मार्ग से यात्रा करने वाले अधिकांश श्रद्धालु दर्शन के बाद वापसी के लिए बालटाल मार्ग को प्राथमिकता दे रहे हैं, क्योंकि इस रास्ते से वे उसी दिन बेस कैंप तक लौट सकते हैं।

यात्रा मार्ग पर इस समय भारी भीड़ देखने को मिल रही है। बेस कैंपों और विभिन्न पड़ावों पर देशभर से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं की चहल-पहल बनी हुई है। हर दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु बालटाल और नुनवान बेस कैंप पहुंच रहे हैं,

अहमदाबाद धमाकों के दोषियों को राहत नहीं, 38 लोगों की फांसी की सजा बरकरार

अहमदाबाद ,(आरएनएस)। गुजरात हाई कोर्ट ने साल 2008 में हुए विनाशकारी अहमदाबाद सीरियल बम ब्लास्ट मामले में एक ऐतिहासिक और बेहद बड़ा फैसला सुनाया है। उच्च न्यायालय ने इस आतंकी हमले के 38 दोषियों को मिली फांसी की सजा (मृत्युदंड) को पूरी तरह से बरकरार रखा है। कोर्ट के इस कड़े रुख से देश के इतिहास के सबसे बड़े आतंकी मामलों में से एक के पीड़ितों को बड़ा न्याय मिला है। इससे पहले, अहमदाबाद की विशेष सिटी सेशंस कोर्ट (ट्रायल कोर्ट) ने इस खौफनाक मामले में अपना फैसला सुनाते हुए 38 आतंकियों को फांसी और 11 अन्य दोषियों को ताउम्र जेल (उम्रकैद) की सख्त सजा सुनाई थी। देश के न्यायिक इतिहास में यह पहला मौका था जब एक साथ इतने अधिक दोषियों को मौत की सजा दी गई थी। इस फैसले के बाद, नियमों के तहत राज्य सरकार की ओर से सजा की पुष्टि के लिए गुजरात हाई कोर्ट में एक कन्फर्मेशन याचिका दायर की गई थी।

जम्मू-कश्मीर के डोडा ज़िले के थाथरी इलाके में भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ से बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ और एक गाड़ी मलबे के नीचे दब गई।

लाल किला धमाका मामले के आरोपियों को नई दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट कॉम्प्लेक्स में एनआईए कोर्ट के सामने पेश किया जा रहा है।

भारी बारिश से कई जिले प्रभावित; पुणे में फंसी बस, कहीं जमा पानी तो कहीं खिसकी जमीन

पुणे,(आरएनएस)। महाराष्ट्र के कई जिलों में भारी बारिश की वजह से स्थिति गंभीर हो गई है। मंगलवार को बड़ा हादसा होते-होते बचा। पुणे के वाघोली-लोहगांव रोड पर सुबह जलभराव की वजह से एक निजी कंपनी की बस बीच रास्ते में फंस गई थी। सूचना मिलते ही पुणे और पीएमआरडीए अग्निशमन दल की टीम मौके पर पहुंची और बस में सवार सभी 6 कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। समय रहते किए गए रेस्क्यू अभियान से बड़ा हादसा टल गया।

भारी बारिश के कारण मुंबई-नासिक हाईवे पर पुराने कसारा घाट पर भूस्खलन हुआ। सड़क पर मिट्टी, पत्थर और पेड़ गिरने से ट्रैफिक बाधित हो गया। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। पुलिस मौके पर पहुंची, मलबा हटाया और एक लेन से ट्रैफिक बहाल किया।

नालासोपारा के अलकापुरी-नालासोपारा रेलवे स्टेशन रोड पर जलभराव होने से नालासोपारा में रेड अलर्ट की स्थिति बनी हुई है। वहीं, दौंड तालुका में भीमा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, जिससे बाढ़ की गंभीर स्थिति पैदा हो गई है। पानी का भारी बहाव होने के कारण दशक्रिया घाट और आस-पास के ईंट-भट्टे पानी में डूब गए हैं।

पुणे जिले के इंदापुर तालुका में देर रात से हो रही बारिश की वजह से किसानों की चिंता बढ़ गई है। लगातार हल्की बारिश से मिट्टी में नमी बढ़ सकती है, और खड़ी फसलों और अनार के बागों पर असर पड़ने की आशंका है। फलों की गुणवत्ता प्रभावित होने और पैदावार कम होने की आशंका बढ़ गई है।

वसई-विरार में जल जवान हो जाने की वजह से सड़कें, दुकानें और हाउसिंग सोसायटियां प्रभावित हुई हैं। रास्तों पर पानी भरने के कारण ट्रेन से यात्रा करने वालों को स्टेशन तक पहुंचने में परेशानी हो रही है। पालघर जिले के लिए रेड अलर्ट जारी है और स्कूल बंद कर दिए गए हैं।

रत्नागिरी जिले के खेड़ तालुका के डाहिवली गांव के शेलारवाड़ी में भारी बारिश के बाद जमीन खिसकने (लैंडस्लाइड) से एक घर का कुछ हिस्सा ढह गया

अभिनेता अभिषेक कुमार इन दिनों टीवी शो लाफ्टर शेफ्स 3 में दिखाई दे रहे हैं। इस शो में वह समर्थ जुरेल के साथ मिलकर खाना बनाने का अपना हुनर दिखा रहे हैं। लेकिन इस बीच, अभिषेक कुमार सोशल मीडिया पर अपनी एक अजीब पोस्ट की वजह से चर्चा में आ गए हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक ऐसी बात लिखी, जिसे देखकर उनके फैंस हैरान रह गए।

दुल्हन जैसी सजीं शनाया कपूर, मानसून के दिनों में शेयर कीं तस्वीरें

अभिनेत्री शनाया कपूर ने मानसून के दिनों में सोशल मीडिया पर अपनी बेहतरीन तस्वीरें शेयर की हैं। तस्वीरों में वह दुल्हन जैसी लग रही हैं। तस्वीरों के साथ उन्होंने एक बेहतरीन कैप्शन लिखा है। उनकी तस्वीरों पर उनकी मां समेत कई यूजर्स ने कमेंट किए हैं।

शनाया कपूर ने इंस्टाग्राम पर अपनी नई तस्वीरें शेयर की हैं। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि उन्होंने लहंगा और टॉप पहना है। उन्होंने गहने पहने हैं। एक हाथ में भर कर चूड़ियां पहनी हैं। उनकी मांग का टीका उनकी खूबसूरती को और बढ़ा रहा है।

तस्वीरें शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा बारिश के दिनों में धूप जैसी चमको। शनाया की तस्वीरों पर उनकी मां ने दिल और नजर वाला इमोजी कमेंट किया है, ताकि उन्हें नजर ना लगे। भावना पांडे ने उन्हें खूबसूरत लड़की कहा है। एक और यूजर ने लिखा आप बहुत ही सुंदर हैं।

शनाया कपूर को आखिरी बार फिल्म तू या मैं में देखा गया था। इस फिल्म में उनके साथ आदर्श गौरव थे। बिजॉय नांबियार के निर्देशन में बनी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बहुत अच्छा नहीं कर सकी थी। शनाया 2025 में विक्रांत मैसी के साथ आंखों की गुस्ताखियां में नजर आ चुकी हैं।

अन्नू कपूर की उत्तर दा पुत्तर का ट्रेलर आउट: अंधविश्वास पर कॉमेडी का अनोखा तड़का,24 जुलाई को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

दिग्गज अभिनेता मनोज बाजपेयी ने फिल्म उत्तर दा पुत्तर का आधिकारिक ट्रेलर लॉन्च किया। ट्रेलर दर्शकों को एक ऐसी अनोखी कॉमेडी-ड्रामा दुनिया की झलक देता है, जिसमें हास्य, भावनाएं और सामाजिक व्यंग्य का दिलचस्प मिश्रण देखने को मिलता है। फिल्म मनोरंजक अंदाज में वास्तुशास्त्र, अंधविश्वास और उन धारणाओं पर कटाक्ष करती है, जो अक्सर लोगों के रोज़मर्रा के फैसलों को प्रभावित करती हैं। ट्रेलर एक ऐसी मज़ेदार दुनिया की झलक पेश करता है, जहां विश्वास, किस्मत और मानवीय भावनाएं अप्रत्याशित परिस्थितियों में आपस में टकराती नजर आती हैं। कॉमिक पलों और पारिवारिक ड्रामे से भरपूर उत्तर दा पुत्तर यह दिखाने की कोशिश करती है कि खुशी और सफलता की तलाश में लोग किस तरह दिशाओं, मान्यताओं और धारणाओं में समाधान खोजने लगते हैं।

फिल्म में अन्नू कपूर मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। वह एक ऐसे व्यक्ति के किरदार में दिखाई देंगे, जिसकी जिंदगी उस समय अचानक बदलने लगती है जब उसे यकीन हो जाता है कि सही दिशा उसकी किस्मत बदल सकती है। इसके बाद उसकी यात्रा कई मज़ेदार घटनाओं और उलझनों से गुजरती है, जो हंसी, भावनाओं और रिश्तों से भरपूर मनोरंजन का सफर बन जाती है। फिल्म में रुखसार रहमान, बृजेन्द्र काला, पवन मल्होत्रा, इश्तियाक खान, जीवेषु अहलूवालिया, राजेंद्र सेठी, सुमित गुलाटी और नितिन अरोड़ा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे, जो फिल्म की कहानी को और रंगीन बनाते हैं। प्रोमोडोम मोशन पिक्चर्स के बैनर तले संदीप कपूर और प्रिया कपूर द्वारा निर्मित उत्तर दा पुत्तर का लेखन और निर्देशन रविंदर सिवाच ने किया है, जबकि इसकी कहानी संदीप कपूर द्वारा लिखी गई है। फिल्म के बारे में बात करते हुए निर्माता संदीप कपूर ने कहा, उत्तर दा पुत्तर के ट्रेलर लॉन्च के लिए मनोज बाजपेयी का साथ मिलना

वधाला का रिलीज डेट से उठा पर्दा, निर्माताओं ने पोस्टर जारी कर बताई तारीख

कई सुपरहिट फ़िल्मों में काम कर चुके जगपति बाबू और लया, वधला नाम की साइकोलॉजिकल थ्रिलर फ़िल्म के साथ सभी को चौंकाने के लिए वापस आ रहे हैं। अकेल्ला वी कृष्णा इस फ़िल्म को डायरेक्ट कर रहे हैं और फ़िल्म का काम तेज़ी से चल रहा है।

फ़िल्म के प्रमोशन और टीज़र को हर तरफ से अच्छा रिस्पॉन्स मिला। ताज़ा जानकारी के मुताबिक, मेकर्स ने फिल्म की रिलीज़ डेट तय कर ली है। यह फिल्म 17 जुलाई 2026 को रिलीज़ होगी। किशोर नायडू चिरुमामिला और थम्मारेडी भारद्वाज चरिता चित्रा बैनर के तहत इस फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे हैं। वधला में जगपति बाबू और लाया टीनएज बच्चों के माता-पिता के रोल में नज़र आएंगे।

फीमेल एक्टर्स को हल्के में लिया जाता है..., कृति सेनन ने फिल्म इंडस्ट्री के जेंडर बायस पर तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन इन दिनों अपनी फिल्म कॉकटेल 2 को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं. फिल्म में उनकी एक्टिंग की खूब तारीफ हो रही है. अब इस बीच कृति अपने एक इंटरव्यू को लेकर चर्चा में आ गई हैं. एक्ट्रेस ने हाल ही में फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं के साथ होने वाले जेंडर बायस पर खुलकर अपनी राय रखी है.

कृति सेनन ने फिल्म इंडस्ट्री में अपने साथ हुए जेंडर बायस के बारे में बात की है. उन्होंने बताया कि फीमेल एक्टर्स को अक्सर उनके मेल काउंटरपार्ट्स से अलग तरह से जज किया जाता है. कृति ने इंडस्ट्री में काम करने के स्ट्रगल के बारे में बात की और बताया कि असिस्टेंट डायरेक्टर्स अक्सर मेल स्टार्स से डरते हैं, जबकि फीमेल एक्टर्स को अक्सर हल्के में लिया जाता है.

कृति ने बताया कि अगर कोई एक्ट्रेस अपने किरदार या सीन को लेकर सवाल पूछती है तो उसे जरूरत से ज्यादा सवाल करने वाली समझ लिया जाता है, जबकि यही काम कोई मेल स्टार करे तो उसकी तारीफ होती है. एक्ट्रेस ने कहा, जब कोई फीमेल एक्टर सवाल पूछती है, तो ऐसा होता है, कितने सवाल पूछती है ये, अरे 50 सवाल शुरू हो जाएंगे. मुझे लगता है कि इस तरह की बातचीत होती है. इसके उलट, जब कोई मेल स्टार सवाल पूछता है, तो उसे बहुत इन्वॉल्व्ड कहा जाता है. मेरे साथ भी ऐसा हुआ है. जब मैंने वही सवाल पूछे, तो मुझसे कहा गया, इसे ओवरएनालाइज़ मत करो. लेकिन जब ये बात उस लड़के की तरफ से आई, तो उन्होंने कहा, ठीक है, ये किया जा सकता है. कृति ने आगे कहा, कई बार ये छोटी-छोटी बातें होती हैं जैसे मेल एक्टर को कैसी कार या कमरा दिया गया और मुझे कैसा कमरा दिया गया.

आलिया की अल्फा ने पकड़ी बॉक्स ऑफिस पर रफ्तार, फिल्म ने दूसरे दिन कमाए 11.25 करोड़, ओपनिंग डे कलेक्शन को छोड़ा पीछे

आलिया भट्ट पिछले कुछ दिनों से अपनी अपकमिंग स्पाई-थ्रिलर फिल्म अल्फा को लेकर चर्चा में थीं, जो अब सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। यशराज फिल्म्स की स्पाई यूनिवर्स की इस महिला प्रधान फिल्म में आलिया के साथ शरवरी वाघ भी मुख्य भूमिका में हैं और इन दोनों अभिनेत्रियों के साथ बॉबी देओल और अनिल कपूर भी अहम भूमिका में हैं। ये स्पाई एक्शन-थ्रिलर फिल्म अल्फा 3 जुलाई यानी इसी शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई और दर्शकों और क्रिटिक्स से मिली-जुली प्रतिक्रिया के बावजूद, फिल्म ने ओपनिंग डे पर अच्छी कमाई की और अब ये तेजी से रफ्तार पकड़ती दिख रही है। रिलीज के दूसरे दिन, यानी पहले शनिवार को इसने 11.25 करोड़ का कलेक्शन किया है, जो पहले दिन की तुलना में 2 करोड़ अधिक है। आलिया भट्ट और शरवरी वाघ स्टारर अल्फा को लेकर काफी चर्चा थी, लेकिन कुछ नकारात्मक वजहों से। फिल्म का ट्रेलर लॉन्च होने के बाद इसे दर्शकों से कुछ खास रिस्पॉन्स नहीं मिला, लेकिन फिल्म के रिलीज होने के बाद ये मिली-जुली प्रतिक्रिया के बावजूद बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक प्रदर्शन में सफल रही। सैकनिलक के अनुसार, फ़िल्म ने भारत में 9.25 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया और अब दूसरे दिन के आंकड़े भी सामने आ चुके हैं, जिसके अनुसार फिल्म ने पहले दिन 11.25 करोड़ का कलेक्शन किया है। इसी के साथ फिल्म का टोटल कलेक्शन 20.50 करोड़ हो गया है। कम कमाई के बावजूद, अल्फा ने एक अहम रिकॉर्ड बनाया है। ओपनिंग डे पर 9.5 करोड़ रुपये की कमाई के साथ, यह आलिया भट्ट के करियर की 10वीं सबसे बड़ी ओपनर बन गई है। हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया (9.02 करोड़ रुपये) की ओपनिंग डे की कमाई का रिकॉर्ड तोड़ते हुए इसने 10वें नंबर पर जगह हासिल की है, जबकि ब्रह्मास्त्र 37 करोड़ के साथ टॉप पर है।

मोटोरोला ने लॉन्च किया moto g|| POWER

मोबाइल टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में वैश्विक अग्रणी और भारत के प्रमुख एआई स्मार्टफोन ब्रांड्स में से एक, मोटोरोला ने आज नए moto g|| POWER के लॉन्च की घोषणा की है, जो इस सेगमेंट का सबसे बेहतरीन कैमरा स्मार्टफोन है। उन उपभोक्ताओं के लिए डिज़ाइन किया गया है जो अपने रोज़मर्रा के स्मार्टफोन से अधिक की उम्मीद करते हैं, moto g|| POWER एक प्रीमियम डिज़ाइन में प्रोफेशनल-ग्रेड सोनी LYTIA™ 600 कैमरा सिस्टम, एक इमर्सिव 120 ॥5 स्त्र ॥ष्ठ+ डिस्प्ले, एक विशाल मल्टी-डे बैटरी और मिलिट्री-ग्रेड ड्यूरेबिलिटी को एक साथ लाता है। चाहे जीवन के अनमोल पलों को कैद करना हो, काम को गति देना हो, मल्टी-टास्किंग करना हो, या मनोरंजन का आनंद लेना हो, moto g|| POWER एक स्मार्ट अनुभव प्रदान करने के लिए बनाया गया है।

moto g|| POWER के केंद्र में इस सेगमेंट का अग्रणी प्रो-ग्रेड 50स्ब्क्ष सोनी स्लङ्घञ्जढ्ढ्र 600 कैमरा सिस्टम है, जिसे उपयोगकर्ताओं को लगभग हर रोशनी की स्थिति में अधिक ब्राइट, शार्प और जीवंत तस्वीरें लेने में मदद करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। क्वाड पिक्सेल तकनीक द्वारा संचालित, यह बेहतरीन डिटेल और शानदार लो-लाइट परफॉर्मेंस देता है, जबकि एडवांस 2-इन-1 लाइट सेंसर तुरंत एम्बिएंट लाइट को मापता है ताकि तेज़ और अधिक सटीक फोकस मिल सके। मुख्य कैमरे के साथ ही इसमें एक 8स्ब्क्ष का अल्ट्रा-वाइड लेंस दिया गया है जो उपयोगकर्ताओं को हर फ्रेम में अधिक चीज़ें समाहित करने की अनुमति देता है—यह लैंडस्केप, ग्रुप फ़ोटो और बड़े दृश्यों के लिए बिल्कुल उपयुक्त है। चाहे रोज़मर्रा के पल हों या विशेष यादें, द्वश्ह्लश द्77 क्क्रङ्ख्रश्वक्र यह सुनिश्चित करता है कि आपका हर शॉट सबसे बेहतरीन दिखे। कैमरा अनुभव को पोर्ट्रेट मोड, फ्रेम मैच, ऑटो स्माइल कैप्चर और सुपर ज़ूम जैसे एडवांस एआई-संचालित इमेजिंग फीचर्स के साथ और भी बेहतर बनाया गया है, जिससे शानदार और प्रोफेशनल दिखने वाली तस्वीरें लेना पहले से कहीं अधिक आसान हो जाता है। फ्रंट में, इस सेगमेंट का सबसे हाई 32स्ब्क्ष का सेल्फी कैमरा इंटेलिजेंट एआई ऑप्टिमाइजेशन के साथ शार्प और जीवंत सेल्फी देता है, और लैंडस्केप ओरिएंटेशन में यह अपने आप ग्रुप मोड पर स्विच हो जाता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि हर कोई फ्रेम में पूरी तरह फिट आ सके। बेहतरीन पलों को कैमरे में कैद करने के अलावा, यूजर्स गूगल फोटोज के एआई-संचालित एडिटिंग टूल्स की मदद से उन्हें आसानी से और बेहतर बना सकते हैं, जिसमें एडिट फोटोज बाय आस्किंग, मैजिक इरेज़र, फोटो अनब्लर, रीइमेजिन और ऑटो फ्रेम शामिल हैं, जो उन्हें सिर्फ कुछ टैप के साथ अपनी तस्वीरों को एडिट, रिस्टोर और ट्रांसफॉर्म करने की सुविधा देते हैं।

कैमरा अनुभव को और बेहतर बनाने के लिए द्वश्ह्लश द्77 क्क्रङ्ख्रश्वक्र में 6.72-इंच का इमर्सिव फुल एचडी+ डिस्प्ले दिया गया है, जो 120 ॥5 के स्मूथ रिफ्रेश रेट के साथ आता है। यह फिल्मों, गेम्स और रोज़मर्रा के कंटेंट को शार्प विजुअल्स, वाइब्रेंट कलर्स और फ्लूइड स्क्रॉलिंग के साथ जीवंत बना देता है। 1050 निट्स तक के हाई ब्राइटनेस मोड और डिस्प्ले कलर बूस्ट टेक्नोलॉजी के साथ, यूजर्स तेज़ धूप में भी बेहतरीन विजिबिलिटी और रिच कलर्स का आनंद ले सकते हैं। इस अनुभव को स्मार्ट वॉटर टच टेक्नोलॉजी से और भी बेहतर बनाया गया है, जो गीले हाथों से भी स्मूथ और रिस्पॉन्सिव टच सुनिश्चित करने के लिए टच सेंसिटिविटी को समझदारी से एडजस्ट करती है द्वश्ह्लश द्77 क्क्रङ्ख्रश्वक्र में 7000द्व्रद्ध की विशाल बैटरी दी गई है, जो इसके हर अनुभव को दमदार बनाती है। आम इस्तेमाल में यह बैटरी एक बार चार्ज करने पर 3 दिनों तक चलती है। वीडियो देखने, गेम खेलने, फ़ोटो खींचने से लेकर काम करने, नेविगेशन और कनेक् ?ट रहने तक, यह फोन आज की लाइफस्टाइल के साथ कदम से कदम मिलाकर चलता है।

कुछ कपड़े समय के साथ क्यों हो जाते हैं मुलायम? जानिए इससे जुड़ी सही जानकारी

कई लोग यह मानते हैं कि कपड़े समय के साथ नरम हो जाते हैं। इसका कारण यह है कि जब हम कपड़ों को बार-बार धोते हैं तो उनमें मौजूद धागे ढीले हो जाते हैं और इससे कपड़े मुलायम महसूस होते हैं। हालांकि, क्या सच में ऐसा ही होता है या नहीं? आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं और समझते हैं कि क्या सच में कपड़े समय के साथ नरम हो जाते हैं या नहीं।

कपड़ों की नरमी का एक प्रमुख कारण है उन्हें धोने का तरीका। अगर आप कपड़ों को गर्म पानी में धोते हैं तो इससे उनके धागे ढीले हो जाते हैं और कपड़े मुलायम महसूस होते हैं। इसके अलावा, साबुन भी इस प्रक्रिया में अहम भूमिका निभाते हैं। अगर साबुन बहुत कठोर हो तो वह कपड़ों को नुकसान पहुंचा सकता है और उनकी चमक भी कम कर सकता है। इसलिए, सही साबुन का चयन करना जरूरी है।

सुखाने का तरीका

सुखाने का तरीका भी कपड़ों की नरमी पर असर डालता है। जब कपड़े मशीन में सूखते हैं तो उनके धागे की संरचना बदल जाती है और इससे वे

मुलायम महसूस होते हैं। हालांकि, अगर आप मशीन का अधिक उपयोग करते हैं तो इससे कपड़ों की गुणवत्ता खराब हो सकती है और वे जल्दी फट सकते हैं। इसलिए, मशीन का उपयोग करते समय सावधानी बरतें और जरूरत पड़ने पर ही इसका इस्तेमाल करें। धागे की गुणवत्ता

कपड़े के धागे की गुणवत्ता भी उनकी नरमाहट पर असर डालती है। अच्छी गुणवत्ता वाले धागे, जैसे सूती या लिनन अधिक समय तक मुलायम रहते हैं, जबकि निम्न गुणवत्ता वाले धागे जल्दी ढीले हो जाते हैं। इसलिए, जब भी आप नए कपड़े खरीदें तो उनके धागे की गुणवत्ता पर ध्यान दें, ताकि वे लंबे समय तक मुलायम बने रहें। इसके अलावा अच्छे धागे वाले कपड़े पहनने और धोने पर भी अपनी नरमाहट बनाए रखते हैं।

उपयोग और देखभाल

कपड़ों का सही उपयोग और देखभाल करना भी अहम है, ताकि वे लंबे समय तक मुलायम बने रहें। अगर आप कपड़ों को सही तरीके से नहीं रखते या नहीं धोते तो इससे उनकी नरमाहट कम हो सकती है। उदाहरण के लिए, अगर आप हर बार धोने पर कपड़ों को मोड़कर रखते हैं तो इससे उनके धागे की संरचना खराब हो सकती है और वे कठोर महसूस होंगे। इसलिए, हमेशा कपड़ों को सही तरीके से सुखाएं और स्टोर करें।

मौसम भी कपड़ों की नरमाहट पर असर डाल सकता है। गर्मियों में अधिक पसीना आने के कारण कपड़े अधिक गंदे हो जाते हैं, जिन्हें बार-बार धोना पड़ता है, जिससे धागे ढीले हो जाते हैं। वहीं, सर्दियों में कम पसीना आता है, इसलिए कपड़े कम धोने पड़ते हैं। इससे उनकी मुलायम बनावट भी बिगड़ सकती है। इस प्रकार यह कहना गलत होगा कि कपड़े समय के साथ अपने आप नरम हो जाते हैं।

घर की खिड़कियों पर लगाएं ये 5 पौधे, बढ़ जाएगी सुंदरता

घर की खिड़कियां न केवल प्राकृतिक रोशनी को अंदर लाती हैं, बल्कि आपके घर के माहौल को भी बेहतर बनाती हैं। सही पौधों का चयन करके आप अपने घर को ताजगी और हरियाली से भरपूर बना सकते हैं। इन पौधों से न केवल आपके घर का लुक अच्छा लगेगा, बल्कि वे हवा को भी साफ करेंगे और आपको मानसिक शांति प्रदान करेंगे। आइए जानते हैं कि घर की खिड़कियों पर कौन-से 5 पौधे लगाने चाहिए।

एलोवेरा

एलोवेरा एक ऐसा पौधा है, जो कम देखभाल मांगता है और इसे ज्यादा पानी की जरूरत नहीं होती। इसे आप अपनी रसोई की खिड़की पर रख सकते हैं। यह न केवल आपके घर की सुंदरता बढ़ाता है, बल्कि इसके जेल का उपयोग त्वचा संबंधी समस्याओं के इलाज में भी किया जा सकता है। इसके अलावा एलोवेरा की ताजगी भरी खुशबू आपकी रसोई को एक नया रूप देगी। इसका

जेल खान-पान में भी काम आता है।

नागफनी पौधा

नागफनी पौधा एक ऐसा अनोखा पौधा है, जो ऑक्सीजन का उत्पादन करता है और रात के समय कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषित कर लेता है, जिससे आपकी नींद बेहतर होती है। इसे आप अपने बेडरूम की खिड़की पर रख सकते हैं। यह पौधा न केवल देखने में अच्छा लगता है, बल्कि यह हवा से हानिकारक तत्वों को भी दूर करता है। इसके अलावा नागफनी पौधा आपके कमरे को ताजगी भरी खुशबू भी देता है।

स्पाइडर पौधा

स्पाइडर पौधा एक खास प्रकार का पौधा है, जो प्रदूषक तत्वों को अवशोषित करके हवा को साफ करता है। इसे आप अपने लिविंग रूम या बालकनी की खिड़की पर रख सकते हैं। यह पौधा देखने में भी बहुत सुंदर लगता है और इसकी लंबी-लंबी पत्तियां किसी मकड़ी के जाले जैसी लगती हैं, इसलिए इसे स्पाइडर पौधा कहा जाता है। इसके अलावा स्पाइडर पौधा आपके कमरे को ताजगी भरी खुशबू भी देता है।

पेस्लीया

पेस्लीया एक ऐसा पौधा है, जो कम रोशनी में भी अच्छे से बढ़ता है। इसे आप अपने काम की जगह की खिड़की पर रख सकते हैं, ताकि काम करते समय आपको एक ताजगी भरी अनुभूति मिले। यह पौधा देखने में भी बहुत आकर्षक लगता है और इसकी पत्तियां हरी-भरी होती हैं। इसके अलावा पेस्लीया पौधा हवा से हानिकारक तत्वों को दूर करता है, जिससे आपके काम की जगह का माहौल और भी बेहतर बनता है।

मनी प्लांट एक ऐसा पौधा है, जिसे आप किसी भी प्रकार की खिड़की पर रख सकते हैं। इसकी लटकती हुई बेलें आपके घर को एक अलग ही रूप देती हैं। मनी प्लांट कमरे की नमी को संतुलित रखता है और हवा से हानिकारक तत्वों को दूर करता है। इसके अलावा यह देखने में भी सुंदर लगता है और इसकी देखभाल करना आसान होता है। घर की खिड़कियों पर सही पौधों का चयन घर को एक नया जीवन दे सकता है।

शब्द सामर्थ्य -091

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :
1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे
1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुलबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नजदीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सवेरा।

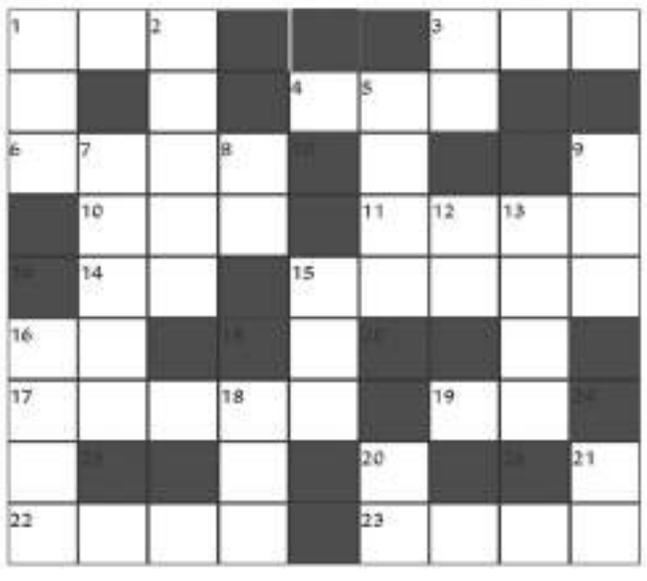

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 090 का हल

अ	भि	षे	क		प	स		
जा	त		थ	प	थ	पा	ना	
य	र	का	नी		ध्र		र	श्मि
ब	घा	र		क	ष्ट	प्र	द	
	त	ना	त	नी		र्व		ब
अ		मा		ज	मा	त		ल
स	जा					क	ज	रा
बा		बे	स	हा	रा		ग	म
ब	गु	ला		रा	ज	दू	त	

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना बरगी में नितिन पटेल उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम तिन्सी बरगी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसके साथ 40 हजार 999 रूपये की आनलाईन वित्तीय धोखाधड़ी हुयी है अज्ञात व्यक्ति ने किसी और का रूप धारण कर उसे धोखा देते हुये छलपूर्वक कर उसके खाते से 40 हजार 999 रूपये हड़प लिये है। रिपोर्ट पर धारा 318(4), 319(2) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

अनुबंध समाप्त होने के बावजूद रूः डॉ. मोहम्मद फरज़ीन ने दिखाया प्रशासनिक साहस, तुरंत शुरू कराया उपचार

मानवता की मिसालः ऑन-ड्यूटी घायल रेलकर्मी के लिए देवदूत बने इटारसी के साथी; तत्परता और रक्तदान से बचाई जान

RPF, मेडिकल और स्स्श्व इलेक्ट्रिक/श्वञ्जरुस्टाफ की त्वरित सूझबूझ से मिला समय पर इलाज।-अस्पताल में परिजन न होने पर रेलकर्मी आयुष बड़कुर और दीपक कनौजिया ने भोपाल जाकर किया रक्तदान।

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। भारतीय रेल के %रेल परिवार% की भावना और निस्वार्थ मानवता को चरितार्थ करते हुए पश्चिम मध्य रेलवे के इटारसी और भोपाल के रेलकर्मियों ने सूझबूझ और तत्परता की एक अभूतपूर्व मिसाल पेश की है। ऑन-ड्यूटी दुर्घटना का शिकार हुए दूसरे ज़ोन के एक रेलकर्मी की जान बचाने के लिए स्थानीय रेल स्टाफ और अधिकारियों ने न केवल प्रशासनिक सीमाओं से ऊपर उठकर फैसले लिए, बल्कि स्वयं रक्तदान कर कर्मचारी का जीवन सुरक्षित किया।

घटना का विवरणः बीते दिन सुबह, ट्रेन संख्या 12628 (कर्नाटक एक्सप्रेस) में ऑन-ड्यूटी तैनात एसी मैकेनिक श्री के. स्टीफन, इटारसी आउटर हनुमान मंदिर के पास एक दर्दनाक दुर्घटना का शिकार हो गए। हादसे में उन्हें गंभीर चोटें आईं और अत्यधिक रक्तस्राव हुआ। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ऋक्क्न स्टाफ, मेडिकल स्टाफ और स्स्श्व इलेक्ट्रिक/श्वञ्जरुस्टाफ ने बिना एक पल गंवाए रेलवे एम्बुलेंस के माध्यम से उन्हें तुरंत नजदीकी दयाल मल्टी हॉस्पिटल, इटारसी पहुँचाया।

प्रशासनिक संवेदनशीलता और त्वरित निर्णयः

अस्पताल पहुँचने पर संज्ञान में आया कि उक्त अस्पताल का रेलवे से अनुबंध 30 जून 2026 को ही समाप्त हो चुका था। आपातकालीन स्थिति की गंभीरता और मरीज की नाजुक हालत को देखते हुए, उपमंडल रेल चिकित्सालय (इटारसी) के रूः डॉ. मोहम्मद फरज़ीन ने अद्वितीय प्रशासनिक तत्परता दिखाई। उन्होंने नियमों की औपचारिकता में उलझने के बजाय मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए प्राथमिक उपचार (स्नद्बह्स्र्यह्लन्द्बस्र) का पूरा खर्च चिकित्सालय स्तर पर स्वयं वहन करने का त्वरित निर्णय लिया, जिससे मरीज का इलाज बिना किसी विलंब के शुरू हो सका।

%देवदूत% बनकर आगे आए साथी रेलकर्मीः

प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए मरीज को बेहतर इलाज के लिए सागर मल्टी हॉस्पिटल, भोपाल रेफर किया गया। चूंकि घायल कर्मचारी दूसरे ज़ोन का था और ड्यूटी पर अकेला था, इसलिए उनका कोई परिजन वहाँ उपस्थित नहीं था। ऐसी विपरीत परिस्थिति में जिम्मेदारी संभालते हुए उपमंडल रेलवे चिकित्सालय के कर्मचारी श्री आयुष बड़कुर एवं इलेक्ट्रिकल श्वञ्जरु विभाग के जूनियर क्लर्क श्री दीपक कनौजिया स्वयं एम्बुलेंस में मरीज के साथ भोपाल गए। भोपाल के अस्पताल में अत्यधिक खून बह जाने के कारण मरीज के शरीर में रक्त की भारी कमी हो गई। किसी भी रिश्तेदार या रक्तदाता के उपलब्ध न होने पर, इन दोनों जांबाज रेलकर्मियों—श्री आयुष और श्री दीपक—ने बिना किसी संकोच के तुरंत आगे बढ़कर रक्तदान (क्व्यश्थ्स्न्र छ्थ्ठ्ठ्ढ्ढ) किया। दोनों कर्मचारियों ने अस्पताल में तब तक अपनी उपस्थिति बनाए रखी, जब तक कि मरीज की स्थिति पूरी तरह स्थिर और सुरक्षित नहीं हो गई। प्रशासन द्वारा सराहनाः पश्चिम मध्य रेलवे प्रशासन ऋक्क्न, मेडिकल, और स्स्श्व इलेक्ट्रिक/श्वञ्जरुस्टाफ की इस त्वरित सूझबूझ और श्री आयुष बड़कुर व श्री दीपक कनौजिया द्वारा दिखाई गई निस्वार्थ मानवता की भूरि-भूरि प्रशंसा करता है। संकट की घड़ी में कर्तव्य से आगे बढ़कर साथी कर्मचारी की जान बचाना पूरे रेल प्रशासन और समाज के लिए एक महान प्रेरणा-स्रोत है।

राजेश मिश्रा बने भाजपा संभागीय कार्यालय मंत्री

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री हेमंत खंडेलवाल जी ने संभागीय कार्यालय मंत्री नियुक्त किये है जिनमे श्री राजेश मिश्रा को जबलपुर संभाग का संभागीय कार्यालय मंत्री नियुक्त किया गया है। श्री राजेश मिश्रा इसके पूर्व जिला कार्यालय मंत्री रहे है। श्री राजेश मिश्रा की नियुक्ति पर लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह, सांसद श्री आशीष दुबे, राज्य सभा सांसद श्रीमती सुमित्रा वाल्मीकि, प्रदेश कोषाध्यक्ष श्री अखिलेश जैन, महानगर अध्यक्ष श्री रत्नेश सोनकर, ग्रामीण अध्यक्ष श्री राजकुमार पटेल, विधायक श्री अजय विश्नोई, श्री अशोक रोहाणी, श्री सुशील तिवारी इंदु, श्री अभिलाष पांडे, श्री नीरज सिंह, श्री संतोष बरकड़े श्री जगत बहादुर सिंह अन्नू, जिप अध्यक्ष श्रीमती आशा गोंटिया, जेडीए अध्यक्ष श्री संदीप जैन, नगर निगम अध्यक्ष श्री रिंकू विज, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती अश्वनी परॉंजपे, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी श्रीकांत साहू, निशक्त जन प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक श्री संदीप रजक, जेडीए उपाध्यक्ष श्री प्रशांत केसरवानी के साथ जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष एवं कार्यकर्ताओ ने हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनायें प्रेषित की है।

डॉ. ज़ाकिर हुसैन वार्ड में 1करोड़ रुपये के विकास कार्यों का भूमि पूजन आज

जबलपुर। नगर निगम के डॉ. ज़ाकिर हुसैन वार्ड क्रमांक 40 में लगभग 1 करोड़ रुपये की लागत से स्वीकृत विभिन्न विकास कार्यों के भूमिपूजन हेतु आज 9 जुलाई, बुधवार, दोपहर 2 बजे अंसारी भवन के पास, गोहलपुर में संगे बुनियाद समारोह आयोजित है।समारोह में मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री विधायक लखन घनघोरिया, विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं समाजसेवी कदीर सोनी होंगे. अध्यक्षता महापौर जगत बहादुर सिंह %अन्नू% करेंगे। इस अवसर पर वार्ड में विभिन्न सड़कों एवं नालियों के निर्माण, सार्वजनिक स्थलों पर वाटर कूलर स्थापना, कब्रिस्तान में टीन शेड निर्माण तथा अन्य जनहित एवं आधारभूत विकास कार्यों का भूमिपूजन किया जाएगा।

पश्चिम मध्य रेल ने जून 2026 में माल यातायात से अर्जित किया ?547 करोड़ से अधिक का राजस्व

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। पश्चिम मध्य रेल में जबलपुर, भोपाल एवं कोटा तीनों मंडलों के माल यातायात में निरंतर वृद्धि दर्ज की जा रही है। महाप्रबंधक के मार्गदर्शन में बेहतर परिचालन एवं ग्राहक-केंद्रित सेवाओं के परिणामस्वरूप पश्चिम मध्य रेल ने माह जून 2026 में माल यातायात से ?547 करोड़ 57 लाख का ऑरिजिनेटिंग राजस्व अर्जित किया है। यह उपलब्धि गत वर्ष के इसी माह में अर्जित ?502 करोड़ 12 लाख की तुलना में 09.05 प्रतिशत अधिक है। चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 के प्रथम तिमाही के दौरान पश्चिम मध्य रेल ने माल यातायात से कुल ?1586 करोड़ 59 लाख का ऑरिजिनेटिंग राजस्व अर्जित किया है। यह पिछले वित्तीय वर्ष की समान अवधि में प्राप्त ?1525 करोड़ 4 लाख के राजस्व की तुलना में 4.04 प्रतिशत अधिक है। पश्चिम मध्य रेल द्वारा माल यातायात की उत्तरोत्तर वृद्धि के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। माल यातायात को बढ़ावा देने हेतु मालगाड़ियों की औसत गति में वृद्धि कर विभिन्न रेल खंडों की क्षमता बढ़ाई गई है तथा आधारभूत संरचना एवं परिचालन व्यवस्था में सुधार किए गए हैं। गतिशक्ति कार्गो टर्मिनल एवं साइडिंगों के विकास के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। गुड्स टर्मिनलों की कार्यप्रणाली में सुधार तथा मालगाड़ियों के डिटेंशन में कमी लाकर माल परिवहन को अधिक सुगम एवं तेज बनाया गया है। माल गोदामों में चौबीसों घंटे लोडिंग एवं अनलोडिंग सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं तथा नए माल गोदामों के विकास एवं उन्नयन का कार्य भी प्रगति पर है। इसके अतिरिक्त नई रेल लाइनों, दोहरीकरण एवं तिहरीकरण जैसी महत्वपूर्ण अधोसंरचना परियोजनाओं को गति प्रदान की जा रही है। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप माल यातायात में लगातार सकारात्मक वृद्धि दर्ज की जा रही है। पश्चिम मध्य रेल द्वारा माल ग्राहकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने, माल ढुलाई प्रक्रियाओं को सरल बनाने तथा परिचालन दक्षता में निरंतर सुधार के फलस्वरूप यह उपलब्धि संभव हो रही है। पश्चिम मध्य रेल भविष्य में भी ग्राहकों की आवश्यकताओं के अनुरूप उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करते हुए राष्ट्र की आर्थिक प्रगति में अपना महत्वपूर्ण योगदान जारी रखेगी।

जिला अधिवक्ता संघ चुनाव आखिरी दिन कई प्रत्याशियों ने भरे नामांकन फार्म

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। आगामी जिला अधिवक्ता संघ के चुनाव हेतु बुधवार को नामांकन फार्म भरने का आखिरी दिन था। जिसमें उपाध्यक्ष पद हेतु प्रशांत कोहाड़े, सुखविंदर सिंह नादडा, सचिन गुप्ता ने अपना नामांकन फार्म भरा। सचिव पद हेतु यतेंद्र अवस्थी, शैलेंद्र सिंह ठाकुर ने अपना नामांकन फार्म जमा किया। साथ ही कार्यकारिणी सदस्य हेतु मो. अनीस सहित 11 ने अपना अपना नामांकन फार्म प्रस्तुत किया।

इस प्रकार अध्यक्ष पद हेतु 6, उपाध्यक्ष पद हेतु 10, महिला उपाध्यक्ष हेतु 2, सचिव हेतु 8, सह सचिव हेतु 5, कोषाध्यक्ष महिला हेतु 4, पुस्तकालय सचिव हेतु 4 प्रत्याशी और कार्यकारिणी सदस्य पद हेतु 12 ने नामांकन फार्म प्रस्तुत किया है। कुल 51 अधिवक्ताओं ने नामांकन फार्म जमा कर मैदान में है। इस दौरान मुख्य चुनाव अधिकारी जीएस ठाकुर, संजय सोनी, सुभाष शुक्ला, तरुण रोहितास, रजनीश यादव, जय सचदेवा, सचिन अग्रवाल, नरेंद्र ठाकुर, मीना बेन, प्रिया रामटेक, मीनाक्षी, कर्णिका जैन, शिवप्रताप सिंह, महेंद्र डोंगरे, राजेश निषाद आदि अधिवक्ताओं की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

पदोन्नति की आस में कर्मचारी जिस पद में भर्ती उसी से हो रहे रिटायर शासन की नीति से जागी पदोन्नति की उम्मीद

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ जबलपुर जिला अध्यक्ष अटल उपाध्याय ने मध्य प्रदेश शासन द्वारा प्रदेश के कर्मचारियों को पदोन्नति देने का रास्ता निकाल कर प्रशंसनीय पहल की है।

पदोन्नति न होने के कारण

हजारों कर्मचारी जिस पद में भर्ती हुए थे इस पद से सेवानिवृत हो चुके हैं आज भी हजारों कर्मचारी बिना पदोन्नति के सेवानिवृत्ति की कगार पर खड़े हुए हैं

आगामी माहों में ही हजारों कर्मचारी सेवा निवृत हो रहे हैं मध्य प्रदेश शासन द्वारा कर्मचारियों को पदोन्नति कर अग्रिम वेतनमान देने का रास्ता खोला जा रहा है जिससे कर्मचारियों को सेवानिवृत होने के पश्चात पेंशन उपादान में लाभ प्राप्त हुआ जिन कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ नहीं दिया जा रहा है उन्हें पेंशन और उपादान में हजारों रुपए माह की हानि हो रही है, कर्मचारी लंबे समय से वरिष्ठ पद का कार्य संभाल रहा है लेकिन पदोन्नति न होने के कारण समस्त लाभों से वंचित है , कर्मचारियों को पदोन्नत कर उनकी योग्यता और अनुभव का लाभ विभागों को प्राप्त होगा वहीं शासन की योजनाओं का लाभ भी प्रदेश की जनता तक पहुंचाने में यह कर्मचारी अपना योगदान प्रदान करेंगे। मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश प्रवक्ता अनिल भार्गव (वायु) ने बताया है

कि आज प्रदेश के अनेक कार्यालय में पदोन्नति के लिए विभागीय बैठके आयोजित की जा रही हैं, बिना पदोन्नति के वरिष्ठ पद का कार्य कनिष्ठ कर्मचारी कर रहे हैं, प्रदेश अध्यक्ष हेमंत श्रीवास्तव एवं प्रदेश महामंत्री जितेंद्र सिंह द्वारा विगत दिनों प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव जी को मांग पत्र देकर पदोन्नति करने के आदेश जारी करने का ज्ञापन प्रेषित किया था, माननीय मुख्यमंत्री द्वारा पदोन्नति के लिए कमेटी बनाकर कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ दिलाने प्रतिनिधि मंडल को आश्वासन दिया था संघ ने प्रदेश की मुख्यमंत्री कि इस पहल का पुरजोर स्वागत किया है साथ ही कर्मचारियों को प्राप्त हो रहे वेतनमान से एक वेतनमान अधिक का लाभ देने के साथ ही सेवानिवृत हो चुके 15 वर्षों के पूर्व कर्मचारियों को भी पदोन्नति का लाभ देने की मांग की है, जिससे कर्मचारियों को पेंशन उपादान का लाभ प्राप्त हो सकेगा।

मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के अटल उपाध्याय, देवेंद्र पचौरी, आलोक अग्निहोत्री, अरुण पटेल, पंकज दुबे, रजनीश पांडेय, बीरेंद्र तिवारी, परशुराम तिवारी, राजेश चतुर्वेदी, कपिल दुबे,प्रशांत सोंधीया, जी पी द्विवेदी, अर्जुन सोमवंशी, सुशील गुप्ता, राजा राम डहरिया , राजू मस्के, के जी पाठक, योगेन्द्र मिश्रा, शैलेश गौतम, नितिन सेलेट, आशीष नामदेव, ने प्रदेश शासन के आदेशों के अनुसार जिले के समस्त विभागों के विभाग प्रमुखों से विभागीय डी पी सी कर पदोन्नति आदेश जारी करने की मांग की है।

बहुविषयक घटनाओं से परिपूर्ण श्रीमती छाया त्रिवेदी जी की कृति

बादल का टुकड़ा

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर मध्यप्रदेश की शिक्षाविद, साहित्यकार, समाजसेवी श्रीमती छाया त्रिवेदी जी की कृति बादल का टुकड़ा एक लघुकथा संग्रह है। पाथेय प्रकाशन, जबलपुर, म.प्र., भारत से प्रकाशित है।

इसमें विभिन्न प्रसंगों, विविध घटनाओं को आत्मसात कर लेखिका ने अपनी लघुकथाओं को एक माला में पिरोया है। लघुकथा को जब पाठक पढ़ता है तो वह पूर्णत: भाव विभोर हो जाता है और निर्दिष्ट प्रसंग तक पहुँच जाता है। अपनी कल्पनाशीलता के सहारे घटनाक्रम तक पहुँचता है।

संक्षिप्त, सारगर्भित कुछ सत्य घटनाक्रम के साथ वास्तविक लोक कथाएँ हृदय को छूती हैं तो कुछ काल्पनिक कथाएँ मन को झकझोर देती हैं। यह नब्बे लघुकथाओं का संग्रह卐बादल का टुकड़ा卐 कहानी की तर्ज पर आगे बढ़ता है जिसमें सामान्यत: केवल कुछ ही पात्रों को दृष्टिगत रखते हुए बिंब चित्र खींच कर संवेदनात्मक वर्णन किया गया है।

श्रीमती छाया त्रिवेदी जी की लघुकथाएँ केवल एक-दो दृश्यों में बंधी नहीं हैं वरन् समाज के विभिन्न पहलुओं, सामाजिक बदलावों, ज्वलंत समस्याओं और मानवीय मूल्यों को व्यक्त करती हैं।

श्रीमती छाया त्रिवेदी जी की लघुकथाएँ, पाठक के लिए एक ऐसा माध्यम है, जिसके द्वारा छाया जी एक संस्कृति से खुद बात करती, विचारती और लिखती हैं और इस तरह एक लेखिका अपने मूल्यों को कायम रखती है। प्रत्येक कथा के माध्यम से छाया जी, अपनी सोच-विचार, पहचान, मनःस्थिति, संवेदनाएँ और मनोबल को लिखित रूप से प्रदर्शित करती हैं।

卐बादल का टुकड़ा卐 लघुकथा संग्रह में आ. छाया त्रिवेदी जी ने स्वरचित लघुकथाएँ संग्रहीत की हैं। इन लघुकथाओं में जीवन के विभिन्न पक्षों के झंझावातों, कठिनाइयों, परेशानियों को बखूबी प्रस्तुत किया है। आपकी लघुकथाएँ कहीं मार्मिक हैं तो कहीं कुरीतियों की विरोधी तो कहीं भ्रष्टाचार विरोधी संदेश समाज के समक्ष प्रस्तुत करती हैं। आपने अपनी लघुकथाओं में सामाजिक परिवेश का चित्रण भी बहुत ही सुंदर ढंग से किया है।

कुछ लघुकथाओं के नामः आभार, संकट की पाठशाला, मैं आतंकी नहीं हूँ, नियति, मिलेट्स कुटकी, गोबर, मोचीवाला, कबाड़, कुली, प्रसाद, गंगा, विलुप्त, मंगल मूर्ति, प्रेरणा, असंभव, दशरथ, बिजुरिया, हाथी के दाँत, मानस पुत्र, विश्वासघात, माँ, देहरी, शगुन, प्रतीक्षा, कृतज्ञता, ढोंगी, निष्पक्ष, हम पाँच, गुरु पूर्णिमा, गंगाजल, संकल्प, प्यास, प्रायश्चित, कृष्णकुंज, हिटलर दादी, भोले बाबा, खीर आदि।

अतिअल्प शीर्षक होने के बाद भी ये लघुकथाएँ गागर में सागर भरती हैं और सुंदर सार्थक संदेश देती हैं।

छाया त्रिवेदी जी ने लघुकथा लेखन में अपने भावों को मनोयोग से पिरोया है। जीवन के संघर्षों से सजाया है। यही वजह है कि आ. छाया त्रिवेदी जी की लघुकथाएँ पाठकों के मन को छूती हैं साथ ही घटनाओं एवं भावों की अमिट छाप पाठक के मन में छोड़ती हैं।

समीक्षा :-

डॉ. मुकुल तिवारी

एम.एस.सी. रसायन शास्त्र, एम.एड., एम. ए. हिंदी साहित्य, पी-एच.डी. रसायन शास्त्र, एल.एल.बी.

पूर्व प्राचार्य, विभागाध्यक्ष, प्रभारी प्रयोजन मूलक हिंदी

पं. बालमुकुंद त्रिपाठी मार्ग, राम मन्दिर के पास, दीक्षितपुरा, जबलपुर, म. प्र., भारत

हरदुली बरगी नगर में 2 दिन से चल रही पंजीयन प्रक्रिया।

महिला सशक्तिकरण एवं स्वरोजगार के लिए ज्वेलरी मेकिंग प्रशिक्षण का होगा आयोजन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने एवं महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से सेंट आरसेटी जबलपुर एवं ग्रामीण आजीविका मिशन जबलपुर के संयुक्त तत्वावधान में 14 दिवसीय कृत्रिम आभूषण निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन जबलपुर विकासखंड के ग्राम हरदुली स्थित सच्चा प्रयास समिति परिसर में किया जाना है। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए पंजीयन प्रक्रिया जारी है तथा पंजीयन का अंतिम दिवस कल निर्धारित है। प्रशिक्षण के लिए महिलाओं की आयु 18 से 50 वर्ष आधार कार्ड में दर्ज जन्मतिथि के अनुसार रखी गई हैं। इच्छुक महिलाओ से आवश्यक दस्तावेजों के साथ पंजीयन करवाने की अपील परवेज खान द्वारा की गई हैं।

यात्रियों की सुविधा एवं व्यवस्थित रेल यात्रा के लिए जबलपुर मंडल में विशेष मजिस्ट्रेट टिकट जांच अभियान

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। यात्रियों को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने तथा बिना टिकट एवं अनियमित यात्रा पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल में स्पेशल रेलवे मजिस्ट्रेट श्री वेद प्रकाश सगर के नेतृत्व में विशेष टिकट जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान गाड़ी संख्या 22181 गोंडवाना एक्सप्रेस, 22178 महानगरी एक्सप्रेस, 11756 रीवा-इतवारी एक्सप्रेस तथा 12160 अमरावती एक्सप्रेस सहित जबलपुर-कटनी एवं जबलपुर-पिपरिया रेलखंड की प्रमुख ट्रेनों में सघन टिकट जांच की गई। जांच के दौरान बिना टिकट एवं अनियमित रूप से यात्रा कर रहे 66 यात्रियों के विरुद्ध रेलवे अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए ?61,330 का रेल राजस्व प्राप्त किया गया। इनमें 25 यात्री बिना टिकट तथा 41 यात्री अनियमित रूप से यात्रा करते पाए गए।

इस अभियान में टिकट जांच स्टाफ, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) तथा रेलवे न्यायालय के कर्मचारियों ने संयुक्त रूप से भाग लिया।

जबलपुर रेल मंडल यात्रियों से अपील करता है कि वे सदैव वैध टिकट लेकर ही यात्रा करें तथा रेलवे नियमों का पालन करें। यात्रियों की सुविधा, आरक्षित यात्रियों के अधिकारों की सुरक्षा एवं व्यवस्थित यात्रा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए ऐसे विशेष मजिस्ट्रेट टिकट जांच अभियान आगे भी नियमित रूप से जारी रहेंगे।

नगर-डगर

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। बरेला थाना अंतर्गत ग्राम महगवां काशी निवासी सुनील खरकोंदा उम्र 46 वर्ष ने नंदकिशोर तिवारी और दिनेश तिवारी के खिलाफ घर में तोड़फोड़ और सामान गायब करने का मामला दर्ज कराया है। सुनील ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 14 जून को दोपहर 3-4 बजे के बीच जब वह घर पर नहीं था, तब पड़ोसी नंदकिशोर और दिनेश ने सूने घर का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया। आरोपियों ने न केवल घर के मुख्य द्वार को हटाकर वहां दीवार खड़ी कर दी,

सिविल लाइन एरिया में हुई कार्रवाई, सभी को प्रतिष्ठानों के अंदर बाहर बेहतर साफ सफाई रखने दी हिदायत, सेंपलिंग भी लिए गए

आमजन के स्वास्थ्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं, निगम मजिस्ट्रेट के द्वारा शहर के प्रमुख होटलों और डेयरी दुकानों का किया गया औचक निरीक्षण

रामजी,शंकर, और हनुमान डेयरी, लकी चिकन सेंटर, मनमोहन एवं गोपाल होटल में दी गई दविश

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। खाद्य पदार्थों की शुद्धता सुनिश्चित करने और आम नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए आज निगम मजिस्ट्रेट अरुण कुमार गोयल द्वारा कार्रवाई की गई। मजिस्ट्रेट श्री गोयल के द्वारा सिविल लाइन और आसपास के प्रमुख इलाकों में स्थित होटलों, डेयरी और फूड दुकानों का औचक निरीक्षण किया।

इन प्रमुख प्रतिष्ठानों की हुई जांच

उन्होंने क्षेत्र की छोटी-बड़ी सभी प्रमुख दुकानों पर जाकर बारीकी से जांच पड़ताल की, जिनमें मुख्य रूप से ?रामजी डेयरी, शंकर डेयरी, हनुमान डेयरी

मनमोहन होटल, गोपाल होटल

लकी चिकन सेंटर, बॉबी मटन शॉप

में गंदगी और ?कमी मिलने पर सख्त हिदायत दी गई और सुधार का मौका दिया गया निरीक्षण के दौरान कुछ उन्होंने बताया कि कुछ जगहों पर पनीर, दही, सब्जी वाली ग्रेवी और आटे की गुणवत्ता में कमी तथा परिसर में गंदगी पाई गई। टीम द्वारा इन सभी सामग्रियों के सैंपलिंग लिए गए । श्री गोयल ने बताया कि सकारात्मक रुख अपनाते हुए दुकानदारों पर तुरंत कोई दंडात्मक कार्रवाई करने के बजाय उन्हें सुधार करने का एक मौका दिया है। अत्यधिक गंदगी पाए जाने वाले स्थानों के संचालकों को कड़ी चेतावनी दी गई है कि वे जल्द से जल्द स्वच्छता के मानकों को पूरा करें। प्रशासन का उद्देश्य दुकानदारों को परेशान करना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि नागरिक जो कुछ भी खाएं, वह पूरी तरह शुद्ध और स्वास्थ्यवर्धक हो। जल्द ही इन सभी जगहों का पुन: निरीक्षण किया जाएगा।

जनसुरक्षा को लेकर नगर निगम मुस्तैद और सक्रिय अभी तक 30 से अधिक जर्जर भवन जमींदोज, कार्रवाई निरंतर जारी

निगमायुक्त के निर्देशन में अपर आयुक्त ने टीम के साथ पिसनहारी की मढिया स्थित जर्जर रैन बसेरा का किया निरीक्षण

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। नगर निगम प्रशासन द्वारा शहर में जनहानि की आशंका को समाप्त करने एवं नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से खतरनाक एवं जर्जर भवनों के विरुद्ध अत्यंत सख्त और प्रभावी अभियान चलाया जा रहा है। मानसून अवधि के दृष्टिगत रखते हुए निगम प्रशासन पूरी तरह सक्रिय मोड पर है। इस विशेष अभियान के तहत अब तक शहर के विभिन्न वार्डों में चिन्हित किए गए 30 से अधिक अत्यधिक जर्जर व खतरनाक भवनों को ढहाने की कार्रवाई की जा चुकी है। इसके साथ ही नए सिरे से ऐसे भवनों को चिन्हित करने का कार्य भी युद्धस्तर पर जारी है।

इसी क्रम में आज महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू एवं निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के दिशा-निर्देशन में अपर आयुक्त सौरभ मिश्रा ने विभागीय टीम के साथ वीरेंद्रपुरी वार्ड का सघन दौरा किया। अपर आयुक्त द्वारा वार्ड अंतर्गत पिसनहारी की मढिया के सामने स्थित अत्यंत पुराने व जर्जर हो चुके रैन बसेरा भवन का मौके पर जाकर निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने भवन के तकनीकी और सुरक्षात्मक पहलुओं का आकलन करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व त्वरित वैधानिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

दिनेश प्रताप सिंह संभागीय अधिकारी दिग्दर्श सिंह संभागीय यंत्री वीरेंद्र पाण्डेय विकास कुशवाहा एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

महापौर और निगमायुक्त के संदेश

महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू एवं निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने बताया कि ?नागरिकों की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। वर्षाकाल में जर्जर और कमजोर ढांचे गंभीर दुर्घटनाओं का कारण बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि नगर निगम प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और शहरवासियों की सुरक्षा हेतु ऐसे सभी खतरनाक निर्माणों को चिन्हित कर निरंतर हटाने की कार्रवाई की जा रही है।

मोबाइल फोन गुम होने पर की पूछताछ, भड़का साथी छात्र, दिन दहाड़े घटना से सनसनी

स्कूली छात्रों पर चाकू से किया प्राणघातक हमला

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर में नेपियर टाउन स्थित नचिकेता स्कूल में अध्ययनरत दसवीं कक्षा के छात्र छायांक यादव व भविष्य विश्वकर्मा पर स्कूल के ही साथी छात्र ने चाकू से हमला कर दिया। हमले में छायांक व भविष्य के शरीर पर गंभीर चोटें आई है। छायांक ने स्कूल में अपना मोबाइल फोन गुम होने पर साथी छात्र से पूछताछ की थी, जिसपर छात्र ने छायांक को शारदा चौक गढ़ा बुलाया, छायांक अपने साथी भविष्य के साथ पहुंचा तो दोनों के साथ मारपीट कर चाकुओं से हमला कर दिया, जिससे दोनों छात्रों के शरीर पर गंभीरचोटें आई। हमले में घायल छायांक व भविष्य ने गढ़ा थाना पहुंचकर पुलिस को घटना की जानकारी दी, जिसपर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरु कर दी है।

पुलिस के अनुसार आसरा अपार्टमेंट प्रेम नगर गढ़ा निवासी छायांक यादव नचिकेता हायर सेकेंडरी स्कूल नेपियर टाउन कक्षा 10वी में अध्ययनरत है। आज छायांक का स्कूल में मोबाइल फोन गुम हो गया। जिसपर छायांक ने संदेह होने पर साथी छात्र से पूछताछ करते हुए कहा कि यदि मोबाइल फोन लिया है तो दे दे। छात्र के मना करने पर छायांक छुट्टी होने पर स्कूल में ही मोबाइल फोन तलाश करता रहा, न मिलने पर घर चल गया। इसके बाद फिर छायांक ने छात्र को फोन किया तो उसने पहले

रानीताल बुलाया, छायांक अपने दोस्त भविष्य विश्वकर्मा के साथ रानीताल पहुंचा तो उसने शारदा चौक गढ़ा बुला लिया। छायांक व उसका दोस्त भविष्य दोपहर तीन बजे के लगभग शारदा चौक के आगे गुप्ता इन होटल के पास पहुचा, तभी छात्र अपने साथी को लेकर मोटर साइकल से पहुंचा और छायांक यादव व भविष्य विश्वकर्मा के साथ मारपीट शुरु कर दी। विरोध करने पर छात्र के साथी ने भविष्य विश्वकर्मा पर चाकुओं से दनादन वार किए, जिससे उसके बाए जांघ में गंभीर चोटें आई। दिनदहाड़े सरेराह हमला व मारपीट किए जाने से क्षेत्र में हड़कम्प मच गया। देखते ही देखते आसपास के लोगों की भीड़ एकत्र हो गई, जिन्होने घायलों की मदद करते हुए थाना पहुंचाया। जहां पर पुलिस ने घायल छायांक व भविष्य को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाकर दो आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है।

जबलपुर में पकड़े गए इटारसी,नर्मदापुरम के शातिर नकबजन, चोरी की वारदातों का खुलासा, 13 लाख रुपए के जेवर जब्त, एक ईनामी फरार

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर में गोहलपुर पुलिस ने इटारसी व नर्मदापुरम के दो शातिर नकबजनों सहित चार शातिर बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 13 लाख रुपए के सोने, चांदी के जेवर बरामद किए है। वहीं पुलिस को अभी लूट का एक फरार ईनामी बदमाश की पुलिस द्वारा तलाश की जा रही है। जिसे पकडने के लिए पुलिस की टीमें संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

पुलिस के अनुसार समता कालोनी में रहने वाले शरद आचार्य के घर 23 मई को चोरी की वारदात हुई, जिसमें चोरों ने सोने व चांदी के जेवरों पर हाथ साफ किया। पुलिस ने मामले में इटारसी में दबिश देते हुये दो संदेही को पकडा गया जिन्होने पूछताछ पर अपने नाम रीनू जाटव उर्फ राहुल अंडा पिता अन्नी लाल जाटव उम्र 34 वर्ष निवासी डबल फाटक थाना देहात जिला नर्मदापुरम, गोपी किशन पिता बादामी लाल धुर्वे उमे 30 वर्ष निवासी पत्ती बाजार ईरानी डेरे के पास नर्मदापुरम

बताया। सख्ती से पूछताछ करने पर चोरी की वारदात करना स्वीकार लिया।

पुलिस ने इन्हे किया गिरफ्तार-

-रीनू उर्फ राहुल अंडा पिता अन्नी लाल जाटव उम्र 34 वर्ष निवासी डबल फाटक नर्मदापुरम (पूर्व से 28 अपराध पंजीबद्ध)

-गोपी किशन पिता बादामी लाल धुर्वे उम्र 30 साल पत्ती बाजार ईरानी डेरे के पास इटारसी (पूर्व से 16 अपराध पंजीबद्ध)

-जब्त किए गए सोने चांदी के जेवर कीमती 8लाख रुपए।

-सूरज पिता सुरेश उर्फ नाटी चौधरी उम्र 25 वर्ष निवासी बाबाटोला हनुमानताल

-शक्ति उर्फ राहुल पिता बाबू लाल चौधरी उम्र 20 वर्ष निवासी बाबा टोला हनुमान मन्दिर हनुमानताल

जब्त किए गए सोने, चांदी के जेवर कीमती 5 लाख रुपए

इटारसी 18 नम्बर बंगला के खंडहर में छिपाए थे जेवर- पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर इटारसी में 18 बंगला के खंडहरों से चोरी के जेवर बरामद किए है।

वहीं एक वर्ष पूर्व 10 मई 2025 को त्रिमूर्ति नगर गणपती बिहार में एक मकान से एक चोरी कर आरोपी गोपी किशन ने अपने घर पत्ती बाजार ईरानी डेरे के पास थाना इटारसी मे रखना बताया। जिस पर थाना गोहलपुर मे पिछले वर्ष अपराध क्र. 333/25 धारा 331,305 बीएनएस पंजबद्ध होना पाया गया।

बरामद किए गए जेवर-

दोनों आरोपियों कि निशादेही पर चुराये सोने का हार 01नग, सोने की चेन - 02 नग, सोने की झुमकी 01 नग, अंगूठी-01 नग, पांचाली 01 नग, पेंडल - 01 नग, लॉकेट 01 नग, टॉप्स 01 जोडी, लोंग 01 नग तथा चांदी की सिंदूर दानी 01 नग, सिक्के 02 नग, पायल 03 नग, लटकन 01 नग, बिछिया 41 नग, बड़ा कडा 01 नग, छोटे कड़े 02 नग, ग्लास -01 नग कुल कीमती लगभग 8 लाख रूपये के जप्त करते हुये दोनों आरोपियों को अपराध क्रमांक 440/2026 धारा 331(4),305( ) क्ष्हस् एवं 333/25 धारा 331,305 बीएनएस में विधिवत गिरफ्तार किया

अनियंत्रित होकर कार दीवार तोड़ते हुए नाले पर लटकी, मदनमहल क्षेत्र में मची अफरातफरी

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर में मदनमहल क्षेत्र में आज सुबह के वक्त अफरातफरी व चीख पुकार मच गई. जब तेज गति से आ रही कार अनियंत्रित होकर दीवार तोड़ते हुए नाले पर लटक गई. आसपास के लोगों ने कार चला रही युवती को गेट खोलकर सुरक्षित बाहर निकाल लिया. घटना के बाद मौके पर आसपास के लोगों की भीड़ एकत्र हो गई थी. बताया गया है कि आज सुबह दस बजे

के लगभग कार क्रमांक एमपी-20-सीएच-4284 मदनमहल से एलआईसी की ओर जा रही थी. इस दौरान कार अचानक अनियंत्रित हो गई और एक मकान की दीवार तोड़ते हुए नाले के ऊपर जाकर लटक गई. हादसे के समय कार के एयरबैग खुल जाने से चालक किशोरी को गंभीर चोट नहीं आई. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जिस मकान की दीवार क्षतिग्रस्त हुई, उस समय उसमें कोई मौजूद नहीं था. यदि घर में लोग होते तो बड़ा हादसा हो सकता था. घटना की सूचना मिलते ही मदनमहल थाना पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन किसी पक्ष द्वारा शिकायत दर्ज नहीं कराने के कारण पुलिस आवश्यक कार्रवाई के बाद लौट गई. घटना की सूचना मिलने पर किशोरी के परिजन भी मौके पर पहुंच गए. बाद में क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त कार को नाले से बाहर निकाला गया. किशोरी ने बताया कि वाहन चलाते समय गलती से ब्रेक की जगह उसका पैर एक्सीलेटर पर चला गया, जिससे कार की रफ्तार अचानक बढ़ गई और वह दीवार से टकराकर नाले के ऊपर जा लटकी.

घर बैठे कमाई का लालच देकर 40 हजार रुपये ठगे

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। शहर के अधारताल क्षेत्र की निवासी 30 वर्षीय ज्योति त्रिपाठी को व्हाट्सएप पर वर्क फ्रॉम होम का झांसा देकर अज्ञात जालसाजों ने 40 हजार रुपये की चपत लगा दी। पीड़िता ने 7 जुलाई को अधारताल थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि अज्ञात व्यक्ति ने टेलीग्राम एप के माध्यम से टास्क पूरे करने का लालच दिया था। शुरुआत में विश्वास जीतने के लिए जालसाजों ने ज्योति के पति के स्टेट बैंक ऑफ इंडिया महाराजपुर शाखा के खाते में पहले 300 रुपये और फिर 2600 रुपये भेजे। आरोपियों के झांसे में आकर ज्योति ने गूगल पे के जरिए बताए गए यूपीआई आईडी पर 10 हजार रुपये और फिर शाम 6 बजे पटेल जय के नाम से बनी यूपीआई आईडी पर 30 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए।

इसके बाद जब उनसे और 50 हजार रुपये की मांग की गई, तो ठगी का अहसास हुआ। पुलिस ने धारा 318(4) बीएनएस के तहत केस दर्ज किया है। ?साइबर अपराधी अब लोगों को घर बैठे काम देने का झांसा देकर अपने जाल में फंसा रहे हैं।

उमाघाट पर लोड पिस्टल लेकर घूम रहा था युवक, ग्वारीघाट पुलिस ने घेराबंदी कर दबोचा

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। गौरीघाट के रामघाट में आकाश उर्फ अक्कू बर्मन हाथ में देशी पिस्टल लेकर घूम रहा था। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने दबिश दी और आरोपी युवक को धरदबोचा। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से देशी पिस्टल और कारतूस जब्त किया।

गोरखपुर पुलिस ने बताया कि मंगलवार रात में मुखबिर से सूचना मिली थी कि रामघाट की सीढ़ी के नीचे एक व्यक्ति पिस्टल लिये घूम रहा है। सूचना पर दबिश दी गई। उमाघाट की सीढ़ी के नीचे मुखबिर के बताये हुलिये का व्यक्ति पुलिस को देखकर छिपने लगा, जिसे घेराबंदी कर पकड़ा। आरोपी ने अपना नाम आकाश उर्फ अक्कू बर्मन, निवासी ककरैया तलैया बताया। तलाशी लेने पर कमर में दाहिने तरफ एक देशी पिस्टल जिसकी मैगजीन में एक कारतूस लोड मिला।

पुलिस को देखकर उमाघाट की सीढ़ी के नीचे छिपा आरोपी भागने का प्रयास करने लगाए जिसे पुलिस बल ने मुस्तैदी से घेराबंदी कर धर दबोचा। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम आकाश उर्फअक्कू बर्मन ;उम्र 21 वर्षद्धए निवासी ककरैया तलैयाए जोनी भटरा का मकानए छोटी लाइन फाटक ;गोरखपुरद्ध बताया।

लोड पिस्टल बरामदए पूछताछ जारी

आरोपी की जामा तलाशी लेने पर उसकी कमर में दाहिनी तरफ एक देशी पिस्टल खोंसी हुई मिलीए जिसकी मैगजीन में एक जिंदा कारतूस लोड था। पुलिस ने अवैध हथियार और कारतूस को जब्त कर लिया है। आरोपी के विरुद्ध धारा 25ए 27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

माढ़ोताल की मां रेवा कॉलोनी में लूट, वृद्ध से छीना मोबाइल

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। माढ़ोताल की मां रेवा कॉलोनी में मंगलवार की रात तीन अज्ञात लोगों ने एक वयोवृद्ध को लूट का शिकार बनाया। आरोपियों ने मोबाइल सहित पैसे छीन लिए हैं। माढ़ोताल पुलिस ने बताया कि करमेता निवासी मुन्नालाल पटेल ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह सिचाई विभाग से सेवानिवृत्त है। 7 जुलाई की सब्जी, फल लेकर घर वापस आ रहा था। मां रेवा कालोनी मोड़ के पास रात लगभग 9-15 बजे पहुंचा, तभी मोटर सायकल में 3 लड़के आये। इनमें से 2 लड़कों ने उसे पकड़कर उसके फुल पेंट की जेब से 1 सेमसंग कम्पनी का मोबाइल, 1 छोटी डायरी आईकार्ड रखने वाली, जिसमें उसका पहचान पत्र व नगदी रकम 1150 रूपये छीनकर तीनों मोटर सायकल से चुंगी नाका तरफ भाग गये।

पहचान बदलकर युवक के खाते से उड़ाये 40,999

जबलपुर। बरगी थाना क्षेत्र के ग्राम तिनसी में रहने वाले 22 वर्षीय नितिन पटेल के साथ ऑनलाइन धोखाधड़ी का बड़ा मामला सामने आया है। नितिन ने 7 जुलाई 2026 को पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने खुद को कोई और बताकर उनसे संपर्क किया। बातों में फंसाकर ठग ने नितिन के बैंक खाते तक पहुंच बना ली और छलपूर्वक 40 हजार 999 रुपये हड़प लिए। खाते से अचानक इतनी बड़ी रकम कट जाने के बाद युवक को धोखाधड़ी का अहसास हुआ। पीड़ित की शिकायत पर बरगी पुलिस ने धारा 318(4) और 319(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब उन बैंक खातों और मोबाइल नंबरों की पड़ताल कर रही है

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-14, विजय नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.क्र./14/विजयनगर 2026/ 27/एम/106 दिनांक 08.07.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री संजय गुप्ता, पिता स्व. श्री पुरूषोत्तम लाल गुप्ता** ने मकान नं.1167 राजीव नगर तलैया पिन. नं. 1000378172 **वार्ड चेरीताल वार्ड,** क्षेत्रफल 450 व.फु. भूतल 450 व. फु., **शपथपत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशनं की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक-14 दमोहनाका** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-14 दमोहनाका नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-14, विजय नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.क्र./14/विजयनगर 2026/ 27/एम/107 दिनांक 08.07.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **1. श्रीमती गायत्री चौबे, पति स्व. श्री घनश्याम दास चौबे, 2. श्री संजय चौबे, 3. विवेक चौबे, पिता- स्व. श्री घनश्याम चौबे, 4. निवेदिता चौबे, पति स्व. श्री विजय चौबे, 5 आदित्य चौबे, पिता स्व. श्री विजय चौबे** ने मकान नं.636 आनंद कालोनी, पिन. नं. 1000359003 **वार्ड चेरीताल वार्ड,** क्षेत्रफल 1200 व.फु. भूतल 600 व. फु., प्रथमतल 600 व.फु., **शपथपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशनं की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक-14 दमोहनाका** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-14 दमोहनाका नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-14, विजय नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.क्र./14/विजयनगर 2026/ 27/एम/108 दिनांक 08.07.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री उदय नारायण शर्मा, पिता स्व. श्री किशोरी लाल शर्मा** ने मकान नं. एक्स- 49 स्क्रीम नं. 5- 90 क्वाटर, विजय नगर पिन. नं. 1000419434 **वार्ड महाराजा अग्रसेन वार्ड,** क्षेत्रफल 330 व.फु. भूतल 330 व. फु., प्रथमतल 330 व.फु., द्वितीयतल 160 व.फु. टीन शेड , **त्यागपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशनं की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक-14 दमोहनाका** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-14 दमोहनाका नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-14, विजय नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.क्र./14/विजयनगर 2026/ 27/एम/109 दिनांक 08.07.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री अनुराग तिवारी, पिता स्व. श्री राजेन्द्र प्रसाद तिवारी एवं श्रीमती प्रभा तिवारी, पति स्व. श्री राजेन्द्र प्रसाद तिवारी** ने मकान नं. 2968/पी-83 जेडीए. मार्केट आई.टी.आई. पिन. नं. 1000421519 **वार्ड महाराजा अग्रसेन वार्ड,** क्षेत्रफल 720 व.फु. भूतल 720 व. फु., प्रथमतल 720 व.फु., द्वितीयतल 720 व.फु., **सहमति पत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशनं की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक-14 दमोहनाका** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-14 दमोहनाका नगर निगम जबलपुर

स्वात्ताधिकारी मुद्रक प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से माँ रेवा पब्लिकेशन एण्ड प्रिन्टर्स, तथा 68/1, लक्ष्मीपुर विवेकानन्द वार्ड, मुश्कान प्लाजा के पीछे, एम.आर.-4 रोड, उखरी जबलपुर म.प्र. से मुद्रित तथा मकान नंबर 358 सांठियां कुंआ जबलपुर से प्रकाशित। ब्यूरो प्रमुख श्री विलक्षण सक्सेना, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा। भोपाल मो.नं. 7879652007, जबलपुर मो.नं.9300696096